राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार 20 जनवरी 2024 वर्ष–6,अंक–356 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिल्ली के पीतमपुरा में घर में लगी आग में मरने वालों की संख्या 6 हुई

नई दिल्ली। दिल्ली के पीतमपुरा में एक घर में लगी आग में मरने वालों की संख्या बढ़कर छह हो गई है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। गुरुवार को घर में आग लगी थी। मृतकों की पहचान राकेश गुप्ता (62), उनकी पत्नी रेनू गुप्ता (62), उनकी बेटी श्वेता (30), सभी इमारत की तीसरी मंजिल पर रहने थे। बिल्डिंग की चौथी और सबसे ऊपरी मंजिल पर रहने वाले संतोष (25), कीर्ति (25) और शानू वर्मा (27) की भी मौत हुई है। अधिकारियों ने बताया कि संतोष शानू के यहां रसोइया का काम करता था। पुलिस ने कहा, भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 285, 336 और 304 ए के तहत मौर्य एन्क्लेव पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। दिल्ली फायर सर्विसेज के निदेशक अतुल गर्ग के मुताबिक, गुरुवार रात 8.07 बजे पीतमपुरा इलाके के जेडपी ब्लॉक से एक घर में आग लगने की सूचना मिली। आग 4 मंजिला इमारत की ऊपरी मंजिल और पहली मंजिल पर लगी थी। गर्ग ने कहा, हमने घर से सात लोगों को अस्पताल पहुंचाया, जिनमें से चार के मृत होने की आशंका है। उन्होंने कहा, ÷कुल 8 दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। आग पूरी तरह से बुझ गई है और कूलिंग प्रोसेस जारी है।

डेढ़ किमी रास्ता कम, दिल्ली से नोएडा-गाजियाबाद आना-जाना आसान

नई दिल्ली। दिल्ली से नोएडा या गाजियाबाद आना-जाना करने वाले लोगों को जल्द ही राहत मिलने वाली है। खासकर उन्हें जो अपने वाहन से भैरों रोड से रिंग रोड की यात्रा करते समय दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। लोगों की सुविधा के लिए रिंग रोड पर भैरों मार्ग क्रांसिग पर बन रहे अंडरपास को जल्द ही यातायात के लिए खोल दिया जाएगा। लोक निर्माण विभाग मंत्री आतिशी गुरुवार को अंडरपास का निरीक्षण करने पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से योजना की पूरी जानकारी ली। उन्होंने जल्द सभी काम पूरे करके इसे खोलने के निर्देश दिए। अंडरपास के शुरू होने से रिंग रोड पर डीटीसी के आईपी डिपो पर बने यू टर्न पर लगने वाले जाम से भी राहत मिलेगी।

मोदी पीएम आवास योजना के कार्यक्रम में भावुक हुए कहा

काश बचपन में ऐसे में घर में रहने का मौका मुझे भी मिला होता

सोलापुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज 19 जनवरी को महाराष्ट्र के सोलापुर में पीएम आवास योजना में बनाए घरों को लोगों को सौंपने पहुंचे। यहां वे भाषण देते हुए भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि काश, बचपन में ऐसे में घर में रहने का मौका मुझे भी मिला होता

गारंटी दी थी कि घरों की चाबी देने भी खुद आऊंगा- मोदी

मुझे खुशी है कि सोलापुर के हजारों मजदूरों-गरीबों के लिए हमने जो संकल्प लिया था, वो पूरा हो रहा है। पीएम आवास योजना के तहत बनी देश की सबसे बड़ी सोसाइटी का लोकार्पण हुआ है। मैं इसे देखकर आया। मुझे लगा कि काश, मुझे भी बचपन में ऐसे घर में रहने का मौका मिला होता। इसके बाद मोदी 12 सेकेंड खामोश हुए और भावुक हो गए।

मुझे खुशी है कि सोलापुर के हजारों मजदूरों-गरीबों के लिए हमने जो संकल्प लिया था, वो पूरा हो रहा है। पीएम आवास योजना के तहत बनी देश की सबसे बड़ी सोसाइटी का लोकार्पण हुआ है। मैं इसे देखकर आया। मुझे लगा कि काश, मुझे भी बचपन में ऐसे घर में रहने का मौका मिला होता। इसके बाद मोदी 12 सेकेंड खामोश हुए और भावुक हो गए।

ये सब चीजें देखता हूं तो इतना संतोष होता है। ये हजारों परिवारों के सपने जब साकार होते हैं तो उनके आशीर्वाद मेरी सबसे बड़ी पूंजी होती है। जब मैं इस प्रोजेक्ट का शिलान्यास करने आया था तो गारंटी दी थी कि आपके घरों की चाबी देने भी खुद आऊंगा।

पीएम बेंगलुरु, तमिलनाडु जाएंगे

महाराष्ट्र दौरे के बाद पीएम दोपहर 2.45 बजे बेंगलुरु में बोइंग इंडिया इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी सेंटर और बोइंग सुकन्या कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद मोदी शाम को चेन्नई में खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2023 के उद्घाटन समारोह में शामिल होंगे। मोदी तिरुचिरापल्ली के रंगनाथस्वामी मंदिर भी जाएंगे।

अकेले रहना और समाज के लिए जीना

भाजपा सांसद ने पीएम मोदी को बताया शंकराचार्य जैसा

रांची। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा पर दो शंकाराचार्यों की ओर से सवाल उठाए जाने के बीच भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने पीएम नरेंद्र मोदी को भी शंकराचार्य जैसा बताया है। गोड्डा से सांसद निशिकांत दुबे का कहना है कि पीएम मोदी भी शंकराचार्य जैसा जीवन जीते हैं और प्राण प्रतिष्ठा से पहले कठिन तप कर रहे हैं। सांसद ने त्रेता युग के कुछ प्रसंगों का जिक्र करते हुए यह बात कही। निशिकांत दुबे ने कहा, तब कर्म ही प्रधान था, तो इसमें शंकराचार्य की पद्धति हो, शंकराचार्य जी किस आधार पर बहुत सम्मानित हैं, शंकराचार्य परंपरा का हम बहुत सम्मान करते हैं। लेकिन किस आधार पर शंकराचार्य जी माननीय प्रधानमंत्री..., जैसे शंकराचार्य जी अकेले रहते हैं, समाज के लिए जीते हैं, प्रधानमंत्री भी उसी तरह से हैं। जिस तरह के अनुष्ठान के लिए 11

दिन का उपवास करना चाहिए, उपवास कर रहे हैं। 17-18 के बाद वह पलंग पर नहीं सोएंगे। उन्होंने नीचे सोने का फैसला किया है। जो एक तपस्वी का जीवन होता है वही होता है। गौरतलब है कि 22 जनवरी को अयोध्या में नवनिर्मित राममंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होने जा रही है। लेकिन इसमें चार में से एक भी शंकराचार्य शामिल नहीं होने जा रहे हैं। ज्योतिर्पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने मंदिर निर्माण का अधूरा बताते हुए अभी प्राण प्रतिष्ठा पर सवाल उठाए हैं। वहीं, कर्नाटक स्थित श्री श्रृंगेरी शारदा पीठ, गुजरात स्थित द्वारका शारदा पीठ, उत्तराखंड स्थित ज्योतिर्पीठ और ओडिशा स्थित गोवर्धन पीठ के शंकराचार्यों द्वारा प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल नहीं होंगे। हालांकि, उन्होंने प्राण प्रतिष्ठा पर आपत्ति नहीं की है।

अब दिग्विजय सिंह ने रामलला की मूर्ति पर भी उठा दिए सवाल, क्या है आपत्ति

भोपाल। निर्माणाधीन राममंदिर में प्राण प्रतिष्ठा पर आपत्ति जाहिर कर चुके कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने अब रामलला की मूर्ति पर भी सवाल उठा दिए हैं। उन्होंने गर्भगृह में स्थापित की गई मूर्ति को लेकर कहा है कि यह बाल स्वरूप नहीं है। उन्होंने एक बार फिर यह सवाल उठाया कि रामलला की पुरानी मूर्ति कहां हैं। अपनी बात को मजबूत करने के लिए उन्होंने जोशीमठ में शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद जी महाराज का भी सहारा लिया। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर कहा, मैं तो शुरू से यही कह रहा हूं जिस रामलला की मूर्ति रखे जाने पर विवाद हुआ विध्वंस हुआ वह कहां है? दूसरी मूर्ति की क्या आवश्यकता थी? हमारे गुरु स्व द्वारिका व जोशीमठ में शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद जी महाराज ने यह भी सुझाव दिया था कि राम

अपनी बात को मजबूत करने के लिए उन्होंने जोशीमठ में शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद जी महाराज का भी सहारा लिया। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर कहा, मैं तो शुरू से यही कह रहा हूं जिस रामलला की मूर्ति रखे जाने पर विवाद हुआ विध्वंस हुआ वह कहां है?

जन्म भूमि मंदिर में भगवान राम की मूर्ति बाल स्वरूप हो कर मां कौशल्या की गोद में होना चाहिए। लेकिन जो मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा हो रही है वह तो बाल स्वरूप की नजर नहीं आती है।

दिग्विजय ने पोस्ट के साथ एक न्यूज वीडियो को भी साझा किया है जिसमें निर्वाणी अखाड़े के महंत धर्मदास नई मूर्ति रखे जाने पर आपत्ति जाहिर की है। धर्मदास ने कहा है कि जिन रामलला विराजमान के हक में कोर्ट का फैसला आया उन्हें ही गर्भगृह में स्थापित करना चाहिए। अयोध्या विवाद में पक्षकार रहे धर्मदास ने कहा कि पुरानी मूर्ति के हक में ही फैसला आया था। उन्होंने कहा कि पुरानी मूर्ति की जगह कोई दूसरी मूर्ति नहीं रख सकता है।

रामनगरी अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य राम मंदिर के गर्भगृह में गुरुवार को रामलला विग्रह को अपने आसन पर स्थापित कर दिया गया। मंदिर के गर्भगृह में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच रामलला के विग्रह की स्थापना हुई। कर्नाटक के मूर्तिकार अरुण योगीराज के द्वारा तराशी गई 51 इंच की प्रतिमा श्याम रंग की है, जिसका वजन दो टन बताया गया है। फिलहाल प्रतिमा को अभी ढका गया है।

महुआ मोइत्रा से जबरन खाली कराया जाएगा सरकारी बंगला

भेजी गई टीम; सांसदी छिनने पर नहीं छोड़ रहीं

इसके बाद टीम भेजने का फैसला लिया गया। पिछले महीने ही महुआम मोइत्रा को संसद में कैश के बदले सवाल पूछने के आरोपों में सदन से बर्खास्त कर दिया गया था। इसके बाद उन्हें आदेश मिला था कि वह सरकारी आवास को भी छोड़ दें।

नई दिल्ली। टीएमसी की पूर्व सांसद महुआ मोइत्रा से उनका सरकारी बंगला खाली कराने के लिए टीम को भेजा गया है। उन्हें इस बारे में नोटिस दिया गया था, लेकिन समय रहने टीएमसी नेता ने बंगला नहीं छोड़ा गया। इसके बाद टीम भेजने का फैसला लिया गया। पिछले महीने ही महुआम मोइत्रा को संसद में कैश के बदले सवाल पूछने के आरोपों में सदन से बर्खास्त कर दिया गया था। इसके बाद उन्हें आदेश मिला था कि वह सरकारी आवास को भी छोड़ दें। हालांकि महुआ मोइत्रा ने इस पर अब तक कोई फैसला नहीं लिया था। अंत में अब उनसे जबरन ही आवास खाली कराने का फैसला लिया गया है।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के मौके पर 22 जनवरी को आधे दिन बंद रहेंगे केंद्रीय कार्यालय और बैंक

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने रामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर 22 जनवरी को पूरे देश में सभी केंद्रीय सरकारी कार्यालयों केंद्रीय संस्थानों और केंद्रीय औद्योगिक प्रतिष्ठानों को दोपहर 2.30 बजे तक आधे दिन के लिए बंद रखने की घोषणा की है। साथ ही सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक बीमा कंपनियां वित्तीय संस्थान और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक भी आधे दिन बंद रहेंगे।

22 जनवरी को आधे दिन बंद रहेंगे केंद्रीय कार्यालय और बैंक।

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने रामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर 22 जनवरी को पूरे देश में सभी केंद्रीय

सरकारी कार्यालयों, केंद्रीय संस्थानों और केंद्रीय औद्योगिक प्रतिष्ठानों को दोपहर 2.30 बजे तक आधे दिन के लिए बंद रखने की घोषणा की है। साथ ही सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, बीमा कंपनियां, वित्तीय संस्थान और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक भी आधे दिन बंद रहेंगे। इनके कर्मचारी भी उत्सव में भाग ले सकें, इसलिए यह निर्णय लिया गया है।

दूरदर्शन पर होगा सीधा प्रसारण

ध्यान रहे कि प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का दूरदर्शन से सीधा प्रसारण होगा। देश के सभी मंदिरों में भी उस वक्त भक्तों का जमावड़ा होने की उम्मीद जताई जा रही है।

रामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तैयारियों के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को श्रीराम जन्मभूमि मंदिर को समर्पित छह विशेष स्मारक डाक टिकट जारी किए। साथ ही विश्व के अलग-अलग देशों में प्रभु श्रीराम से जुड़े जो डाक टिकट पहले जारी हुए हैं, उनका भी एक एलबम जारी किया।

इस दौरान भारत और विदेश में प्रभु राम के सभी भक्तों को बधाई देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने महर्षि वाल्मीकि के शब्दों को दोहराते हुए कहा कि जब तक पृथ्वी पर पर्वत हैं, नदियां हैं, तब तक रामायण की कथा, श्रीराम का व्यक्तित्व लोक समूह में प्रचारित होता रहेगा। स्मारक डाक टिकट जारी करते हुए प्रधानमंत्री ने वीडियो संदेश में कहा कि पत्र या महत्वपूर्ण दस्तावेज भेजने के लिए लिफाफे पर ये टिकट चिपकाए जाते हैं, लेकिन वे एक अन्य उद्देश्य भी पूरा करते हैं।

टिकट सिर्फ कागज का टुकड़ा नहीं

डाक टिकट ऐतिहासिक घटनाओं को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाने के माध्यम के रूप में भी काम करते हैं। जब भी आप किसी को डाक टिकट के साथ कोई पत्र या वस्तु भेजते हैं तो आप उन्हें इतिहास का एक टुकड़ा भी भेज रहे होते हैं। ये टिकट सिर्फ कागज का टुकड़ा नहीं, बल्कि इतिहास की किताबों, कलाकृतियों और ऐतिहासिक स्थलों का सबसे छोटा रूप हैं।

बिहार में बीजेपी ने बुलाई विधायकों की मीटिंग, चुनाव की तैयारी या कोई खिचड़ी पकेगी ?

पटना। बिहार विधानमंडल के बजट सत्र का ऐलान हो गया है। पांच फरवरी से सत्र शुरू होगा जो 29 फरवरी तक चलेगा। इससे पहले नीतीश सरकार की विपक्षी भारतीय जनता पार्टी के विधानमंडल की बैठक शुक्रवार को बुलाई गयी है। खबर से बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजय कुमार सिन्हा के आवास पर सभी विधायक जुटेंगे जहां बजट सत्र में पार्टी की रणनीति और आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर गंभीर तैयारी पर चर्चा होगी। पार्टी के सभी विधायक और कई सांसद मीटिंग में मौजूद हैं।

माना जा रहै कि बीजेपी की बैठक में दो एजेंडों पर चर्चा होगी। इनमें पहला है 5 फरवरी से शुरू हो रहा बजट सत्र। मीटिंग में नेता यह तय करेंगे कि बजट सत्र में विधानसभा में पार्टी की रणनीति क्या होगी। विशेष रूप से बिहार के बदलते राजनैतिक माहौल में उन्हें क्या करना है। सरकार को किन मुद्दों पर घेरना है या कहां कोई और रास्ता अपना लेना है इसे फाइनल किया जा सकता है। बजट सत्र में राज्य में पिछले दिनों 2 लाख शिक्षकों को नौकरी देने का मामला गर्म रहने वाला है। खासकर सरकार में शामिल दल आरजेडी और जेडीयू के बीच इसका श्रेय लेने की मची होड़ की गूंज सुनाई पड़ेगी। पिछले दिनों राजद के नेताओं ने प्रेस कॉन्फ्सेंस करके तेजस्वी के डिप्टी सीएम रहते 15 माह की

सरकार की बड़ी उपलब्धि करार दिया। उधर जेडीयू के मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि नीतीश कुमार ने सात निश्चय 2 में ही दस लाख नौकरी का फैसला कर लिया था। राजद के लोग क्या बोलते हैं इस पर ध्यान नहीं देता। इस माहौल में नीतीश कुमार अगर कोई कदम उठाते हैं तो बीजेपी इस पर नजर रखेगी और माहौल भांप कर अपना रिएक्शन देगी। आज की मीटिंग में तय किया जाएगा कि क्या कदम उठाना चाहिए। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बीजेपी इन मुद्दों पर लगातार फीडबैक ले रही है। शुक्रवार की बैठक में पार्टी के विधायक अपनी अपनी राय रखेंगे।

यह भी माना जा रहा है कि शुक्रवार की मीटिंग में पार्टी नेतृत्व की ओर से विधायकों को यह मैसेज दिया जाएगा कि किन मुद्दों पर नीतीश कुमार और उनकी पार्टी के खिलाफ कोई बयान देना है और कहां संयम से काम लेना है। व्यक्तिगत हमलों से बचने की सलाह दिए जाने की संभावना जताई जा रही है क्योंकि नीतीश कुमार की लालू यादव से बढ़ती दूरी और बीजेपी के साथ जाने की अटकलें काफी तेज हो गई हैं। एनडीएम में शामिल जीतनराम मांझी, उपेंद्र कुशवाहा, पशुपति पारस इसके संकेत देते रहते हैं। संभव है बीजेपी नीतीश कुमार को लेकर अपने मूड में बदलाव कर सकती है। खबर है कि अमित शाह के तेवर भी नीतीश कुमार को लेकर नरम पड़ते दिख रहे हैं।

बताया जा रहा है कि आज की मीटिंग में 2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर हर विधानसभा में युवा मतदाताओं के सम्मेलन पर भी चर्चा होने वाली है। जल्द ही बीजेपी का गांव की ओर चलो अभियान शुरू होने वाला है। इसके तहत राज्य के 45 हजार गांवों में जाकर 45 हजार संयोजक लोगों से मुलाकात करेंगे। इस पर ठोस रणनीति बनाने पर चर्चा के आसार हैं। भाजपा नये मतदाताओं पर फोकस कर रही है जिन्हें युवा सम्मेलन के माध्यम से पार्टी से भावनात्मत रूप से जोड़ने की तैयारी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

नफरत के खिलाफ

सुप्रीम कोर्ट ने नफरती भाषण पर सख्ती की अपनी मंशा स्पष्ट कर दी है, लेकिन इसी के साथ ही इसे रोकने के लिए अग्रिम सक्रियता की अपनी सीमा भी बता दी है। मामला तेलंगाना के भाजपा विधायक टी राजा सिंह का है, जो अपने नफरती भाषणों के लिए काफी चर्चा में रहे हैं। इस महीने के पहले हफ्ते में उन्होंने महाराष्ट्र के शोलापुर में एक भाषण दिया था, जिसे कई तरह से नफरती भाषण की श्रेणी में रखा जा सकता है। वहां बाद में उनके खिलाफ एक एफआईआर भी दर्ज हुई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब जब वह महाराष्ट्र के यवतमाल और छत्तीसगढ़ के रायपुर में हिंदू जनजागृति समिति के साथ मिलकर रैली करने जा रहे हैं, तो सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर करके यह मांग की गई कि इन दोनों रैलियों पर तत्काल रोक लगाई जाए, अन्यथा समाज में नफरत का विस्तार बढ़ेगा। इस याचिका के साथ सुप्रीम कोर्ट की दो सदस्यीय पीठ को राजा सिंह के पुराने भाषण के वीडियो भी दिखाए गए। इन वीडियो को देखने के बाद अदालत ने स्वीकार किया कि उनके भाषणों को सचमुच 'हेट स्पीच' की श्रेणी में रखा जा सकता है। उनकी अगली रैलियों में यह दोहराया न जाए, इसके लिए सर्वोच्च न्यायालय ने स्थानीय अधिकारियों और पुलिस को निर्देश दिया है कि वे किसी भी तरह के नफरती भाषण को रोकें। अदालत ने उनको यह भी निर्देश दिया है कि रैली के स्थान पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं, जिससे किसी भी तरह के नफरती भाषण या हिंसा के लिए उकसाने की कोशिश को रिकॉर्ड किया जा सके। मगर नफरती भाषण की आशंका से किसी रैली को रोकने से कोर्ट ने इनकार कर दिया है। अदालत का कहना है कि हम पहले से ही यह मानकर कोई कार्रवाई नहीं कर सकते कि रैली में नफरत फैलाने की कोशिश होगी ही। उसने इसमें यह बात भी जोड़ दी कि जिस व्यक्ति के खिलाफ याचिका लगाई जा रही है, उसे सुने बिना ही किसी नतीजे पर पहुंच जाना प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत के खिलाफ होगा। शीर्ष अदालत के इस रुख को एक और तरह से भी देखा जाना चाहिए। रैली आयोजित करना, किसी भी चीज पर विरोध प्रकट करना, यह सभी का लोकतांत्रिक, राजनीतिक अधिकार है, जो हमें हमारे संविधान से मिला हुआ है। अदालत इसमें बाधा नहीं बनना चाहती, लेकिन नफरती भाषणों को वह रोकना चाहती है, क्योंकि कानून की नजर में यह एक अपराध है। यह सच है कि नफरती भाषण, नफरती संदेश और इन सबके जरिये समाज को हिंसक बनाने की कोशिशें पिछले कुछ समय से लगातार बढ़ रही हैं। इसकी एक बड़ी वजह यह भी है कि हमारी सरकारों से लेकर स्थानीय पुलिस और प्रशासन तक सब इसे राजनीतिक नजर से देखते हैं। जो सत्ताधारी पार्टी में हैं, उनके नफरती बोल नजरअंदाज कर दिए जाते हैं और विरोधियों के खिलाफ कार्रवाई हो जाती है। अगर हम तेलंगाना के इन विधायक का ही मामला लें, तो वह अपने प्रदेश में रैली करने के बजाय उन प्रदेशों में जाकर रैली कर रहे हैं, जहां उनकी पार्टी की सरकारें हैं। जाहिर है, जब तक राजनीतिक दलों और प्रशासन का यह नजरिया रहेगा, नफरत फैलाने की कोशिशों को रोकना कठिन बना रहेगा। नफरत फैलाने का सिलसिला भी अनवरत बढ़ता रहेगा। इसे रोकने का काम नफरत के खिलाफ राजनीतिक आम सहमति बनाकर ही किया जा सकता है। न्यायपालिका का सहयोग भी तभी अपना असर दिखा पाएगा।

आज का राशिफल

मेष आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने बहुमूल्य सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा।

वृषभ व्यावसायिक योजना सफल होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। त्वचा उदर या वायु विकार की संभावना है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। किया गया प्रयास सफल होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। परिश्रम अधिक करना होगा।

कर्क पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

कन्या व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। अनचाही यात्रा या विवाद में फंस सकते हैं।

तुला बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है। विरोधी शारीरिक या मानसिक रूप से कष्ट देंगे। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पिता या संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा।

वृश्चिक पारिवारिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मैत्री संबंध में प्रगाढ़ता आयेगी।

धनु शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। छोटी-छोटी बातों पर उत्तेजना हो सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

मकर रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रोग और विरोधी बढ़ेंगे। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। चली आ रही समस्याओं का समाधान होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखत व लाभप्रद होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

चीन को दरकिनार कर भिड़े ईरान-पाक

पुष्परंजन

सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत के जिस गांव में 18 जनवरी, 2024 को पाक मिसाइलों के हमले से तीन महिलाएं और चार बच्चों समेत नौ लोगों की मौत हुई है, उसमें यह दावा किया गया कि इनमें से कोई भी ईरानी मूल का नहीं है। यानी, ईरान इस 'दोस्ताना हमले' का बुरा नहीं माने। इससे दो दिन पहले 16 जनवरी, 2024 ईरान ने पाकिस्तानी बलूच इलाके में अतिवादी समूह जैश उल अदल को निशाने पर लेकर 'दोस्ताना सर्जिकल स्ट्राइक' किया था, जिसमें दो बच्चे मारे गये थे। ईरान ने भी कहा था, पाकिस्तान इसका बुरा न माने। इस हमले से सबसे अधिक कोई डिस्टर्ब हो रहा है, तो वह है चीन। ईरान और पाकिस्तान दोनों चीन के हम प्याला-हम निवाला हैं। दोनों के भिड़ जाने का मतलब है, ग्वादर में चीनी परियोजना का सत्यानाश। 7 जून, 2023 को चीन ने पहली बार पाकिस्तान-ईरान के साथ पेइचिंग में त्रिपक्षीय बैठक की थी। विषय दो मित्रों के बीच तनाव कम करना और आतंक विरोधी रणनीति पर अमल करना था। 16 मई, 2013 को चीन ने ग्वादर पोर्ट का नियंत्रण पाकिस्तान से अपने हाथों ले लिया था। यह चीन की महत्वाकांक्षी योजना रही है, लेकिन लोकल बलूच उसे नापसंद करते रहे। वर्ष 2022-23 तक चीन ने सीपीईसी प्रोजेक्ट पर जो 65 अरब डॉलर ख़र्च किये, उसका बड़ा हिस्सा ग्वादर पोर्ट पर लगा है। सिस्तान-बलूचिस्तान के जिस इलाके में पाकिस्तान ने हमला किया है, वह ग्वादर से लगभग 300 किलोमीटर की दूरी पर है। गुरुवार को पाक विदेश मंत्रालय ने बयान में कहा कि आज तड़के ही पाकिस्तानी फोर्स ने ईरान के सिस्तान ओ बलूचिस्तान प्रांत में कोह ए सब्ज़ स्थित आतंकवादियों के ठिकानों पर हमला किया। हमने 'ऑपरेशन मार्ग बर सर्माचार' के तहत कई आतंकवादियों को मार गिराया है। ईरानी हदों में रहने वाले पाकिस्तानी मूल के आतंकवादी, स्वयं को सर्माचार कहते हैं। सर्माचार का मतलब होता है, 'नेतृत्व देने वाला कमांडर।' मार्ग का अर्थ है, 'मौत'। और बर का अर्थ है 'ख़िलाफ़'। पाकिस्तान ने उसी के हवाले से 'ऑपरेशन मार्ग बर सर्माचार' रखा था, जिसका आशय था, 'ईरान में रहने वाले पाकिस्तानी मूल के आतंकवादियों के नेता के ख़ात्मे का अभियान।' पाकिस्तान ने कहा, 'हमने तथाकथित सर्माचारों को लेकर ईरान को कई सबूत सौंपे थे, और सबूतों के आधार पर कार्रवाई की है।' ईरानी गृहमंत्री अहमद वाहिदी ने कुबूल किया है कि मारे गये सभी नौ लोग 'विदेशी' हैं। पाकिस्तान इस हमले की संज़ीदगी को समझता है, और शायद यही वजह रही है कि दावोस में विश्व आर्थिक मंच की बैठक को बीच में छोड़कर उसके कार्यकारी प्रधानमंत्री अनवारूल हक ककर और विदेश मंत्री इस्लामाबाद लौट आये हैं। ईरान ने पाकिस्तान में हमला 16 जनवरी को किया था। उससे एक दिन पहले भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ईरान पहुंचे थे। उनकी मुलाक़ात ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी और अपने समकक्ष आमिर-अब्दोल्लाहिआन से हुई थी। मालूम नहीं एस. जयशंकर इस कार्रवाई से कितना वाकिफ थे, मगर भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर लिखा, 'हम आतंकवाद को लेकर जीरो टॉलरेंस की नीति रखते हैं। हमारा मानना है कि कोई देश आत्मरक्षार्थ ऐसे कदम उठा सकता है।' ठीक से देखा जाए तो भारत ने अपने बयान के ज़रिये अतीत में पाकिस्तान पर किये सर्जिकल स्ट्राइक को न्यायोचित ठहराया है। लेकिन उसकी कूटनीतिक व्याख्या की जाए तो ईरान और पाकिस्तान ने एक-दूसरे की सीमाओं का उल्लंघन कर जो हमले किये, उसे सही ठहराना भी मुश्किलों को दावत देता है। अब पाक भी कह सकता है, कि हमने 'आत्मरक्षार्थ' ऐसा किया। पाकिस्तान का 'ऑल वेदर फ्रेंड' चीन ने कहा है कि दोनों देशों को संयम बरतना चाहिए। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने बयान दिया, 'हम इन हमलों की निंदा करते हैं। हमने देखा है कि ईरान ने पिछले कुछ दिनों में अपने तीन पड़ोसियों की संप्रभु सीमाओं का उल्लंघन कर रहा है। एक तरफ, ईरान इस इलाके में आतंकवाद का पनाह देने वाला देश है और दूसरी ओर वह दावा करता है कि उसने इन देशों पर कार्रवाई आतंकवाद से लड़ने के लिए की है।' अमेरिका ऐसे बयान से पाकिस्तान को अपने पाले में लेना चाहता है। पाक राष्ट्रपति डॉ. आरिफ अलवी ने भी कहा कि हम कोई समझौता नहीं करेंगे। उधर ईरान जिस तरह से बयान देने में लगा है, उससे इस इलाके में लड़ाई बढ़ने की संभावना है। टाइम लाइन को ठीक से देखा जाए, तो 900 किलोमीटर की ईरान-पाक सीमा पर आये दिन खुफियागिरी और आतंकी घटनाएं होती रही हैं। 2013 में जैश अल-अदल ने एक हमले में 14 ईरानी सैनिक मारे थे। 2014 में ईरानी सुरक्षा बलों के पांच सदस्यों का अपहरण कर लिया गया था। दिसंबर, 2010 में चाबहार में एक मस्जिद के पास आत्मघाती हमले में 41 लोग मारे गए और 90 अन्य घायल हो गए। 26 अप्रैल, 2017 को जैश अल-अदल ने मिर्जावेह में हुए हमले की जिम्मेदारी ली, जिसमें 10 ईरानी सीमा रक्षक मारे गए थे। 22 जून, 2017 को पहली बार ईरान के किसी ड्रोन को पाकिस्तान ने मार गिराया था। 17 अप्रैल, 2018 को सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत के मिर्जावेह शहर में तीन ईरानी सुरक्षाकर्मियों की हत्या कर दी। 16 अक्तूबर, 2018 जैश अल-अदल ने 12 ईरानी सुरक्षा कर्मियों को अगवा कर लिया था। उसी साल 6 दिसंबर को ईरान के चाबहार में पुलिस मुख्यालय पर आत्मघाती कार बम हमले में चार पुलिसकर्मी मारे गए और 42 अन्य लोग घायल हो गए। फरवरी, 2021 में ईरानी सैनिक दो ख़ुफ़िया एजेंटों को बचाने के लिए पाकिस्तानी क्षेत्र में घुस गए। 8 फरवरी, 2024 पाकिस्तान में चुनाव है। सवाल चुनाव के हवाले से भी उठ रहा है कि दोनों तरफ़ से हमलों का मतलब क्या हो सकता है। ईरान और पाकिस्तान नौ सदस्यीय शंघाई कॉर्पोरेशन आर्गेनाइजेशन के मेंबर भी हैं। तो क्या ये एससीओ के बाकी सदस्य देशों की बात सुनेंगे? पाक विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मुमताज ज़हरा बलूच ने कहा कि पाकिस्तानी सेना ने खुफिया जानकारी के आधार पर ऑपरेशन चलाया, और ईरान में आतंकवादियों की मौजूदगी के उपलब्ध सबूतों के आधार पर आतंकवादियों को मार गिराया। वैसे, पाकिस्तान को यह साबित करना चाहिए कि जो महिला और बच्चे मारे गये हैं, वो क्या सचमुच आतंकवादी थे? यों, दोनों तरफ़ के सर्जिकल स्ट्राइक से ये न समझा जाए कि हिसाब बराबर हो गया।

ब्रिगेडियर जनरल मोहम्मद रज़ा अष्टियानी ने बुधवार को कहा कि ईरान के पास 2000 किलोमीटर रेंज तक मार करने वाली खैबर श्रेणी की सबसे उन्नत मिसाइलें हैं। इस्लामाबाद को समझना चाहिए कि इसका क्या मतलब होता है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

पाक पर ईरानी हमला भारत के लिए मौका

कूटनीति की जरूरत/ विवेक शुक्ला

अपने को इस्लामिक संसार का नेता समझने के मुगालते में रहने वाले पाकिस्तान के आतंकवादियों के ठिकानों पर ईरान ने हमला बोलकर एक बड़ा संदेश दुनिया को दिया कि पाकिस्तान में आतंकी संगठन खुल्लम-खुल्ला काम कर रहे हैं। ईरान ने बीते मंगलवार को पाकिस्तान में आतंकवादी समूह जैश अल-अदल के ठिकानों को निशाना बनाकर हमले किए। हमले में मिसाइलों और ड्रोन का इस्तेमाल किया गया था। हमले से विचलित पाकिस्तान ईरान के एक्शन पर विरोध जताकर चुप हो गया है। ईरान के सरकारी मीडिया ने बताया कि बलूची आतंकी समूह जैश-अल-अदल के दो ठिकानों को मिसाइलों से निशाना बनाया गया। भारत तो दशकों से चीख-चीख कर दुनिया को बता रहा है कि पाकिस्तान आतंकवादियों को खाद-पानी देने वाला मुल्क है। उल्लेखनीय है कि 28-29 सितंबर, 2016 की रात को भारतीय सेना के कमांडोज ने आजाद कश्मीर में घुसकर 38 आतंकी मार गिराए थे। अजीब इत्तेफाक है कि उसी समय पाकिस्तान की पश्चिमी सीमा पर ईरान ने मोर्टार दागे थे। ईरान के बॉर्डर गाड्र्स ने सरहद पार से बलूचिस्तान में तीन मोर्टार दागे थे। इसलिए कहा जा सकता है कि ईरान पहले भी पाकिस्तान को निशाना बना चुका है। पाकिस्तान और ईरान के बीच 900 किलोमीटर की सीमा है। याद रखिए कि यह वही ईरान है जिसने 1965 में भारत के साथ जंग में पाकिस्तान का खुलकर साथ दिया था। ईरानी नेवी साथ दे रही थी पाक नेवी का। लेकिन तब से स्थितियां बहुत बदल चुकी हैं। एटमी गुंडे यानी पाकिस्तान से उसके कई पड़ोसी नाराज हैं, क्योंकि वो हर जगह आतंकवाद फैलाता रहा है। ईरान पाकिस्तान से तब से नाराज है क्योंकि दोनों देशों की सीमा पर तैनात ईरान के दस सुरक्षाकर्मियों को 2017 में पाकिस्तान के आतंकवादियों ने मौत के घाट उतार दिया था। तब से ही ईरान-पाकिस्तान के संबंध सामान्य नहीं रहे थे। ईरान-पाकिस्तान में इसलिए भी तनातनी रही है, क्योंकि ईरान शिया तो पाकिस्तान सुन्नी मुस्लिम देश है। पाकिस्तान की सऊदी अरब से नजदीकियां कभी भी ईरान को रास नहीं आई हैं। दरअसल, पाकिस्तान को सऊदी अरब से कच्चा तेल आराम से मिल जाता है। उसे कच्चा तेल तो ईरान, नाइजरिया या और किसी और देश से भी मिल सकता है, पर उसके नागरिकों को नौकरी और कोई देश नहीं दे सकता। इसलिए पाकिस्तान सऊदी अरब के साथ चिपका रहता है। ईरान और पाकिस्तान के बीच संबंधों में बड़ा बदलाव तब आया जब दिसंबर, 2015 में सऊदी अरब ने आतंकवाद से लड़ने के लिए 34 देशों का एक 'इस्लामी सैन्य गठबंधन' का फैसला किया। लेकिन इस गठबंधन में शिया बहुल ईरान शामिल नहीं किए गए। इसमें सऊदी अरब ने पाकिस्तान को प्रमुखता के साथ जोड़ा। इस कारण ईरान काफी नाराज हुआ था पाकिस्तान से। इस गठबंधन का चीफ बनाया गया था पाकिस्तान का पूर्व आर्मी चीफ जनरल राहिल शरीफ को। ये गठबंधन कभी कायदे से अपना काम नहीं कर सका। इस गठबंधन को ईरान विरोधी के रूप में भी देखा गया, जो सऊदी अरब का मुख्य क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्वी है। खैर, ईरानी एक्शन भारत के लिए अनुपम अवसर है ईरान से अपने संबंधों को मजबूती देने का। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ईरान की दो दिवसीय यात्रा पर जा चुके हैं। ईरान के राष्ट्रपति डॉ. हसन रूहानी के निमंत्रण पर हुई उस यात्रा में मोदी ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अल खुमैनी से भी मिले थे। खुमैनी आमतौर पर किसी विदेशी राष्ट्राध्यक्ष से मिलते नहीं हैं। लेकिन वे मोदी से मिले थे। साफ है कि ईरान ने मोदी की यात्रा को खासी तरजीह दी थी। भारत के लिए ईरान एक बहुत महत्वपूर्ण देश है। ईरान न केवल तेल का बड़ा व्यापारिक केन्द्र है, बल्कि मध्य-एशिया, रूस तथा पूर्वी यूरोप जाने का एक अहम मार्ग भी है। भारत ऊर्जा से लबरेज ईरान के साथ अपने संबंधों में नई इबारत लिखने का मन बना चुका है। भारत मुख्य रूप से कच्चे तेल को सऊदी अरब और नाइजीरिया से आयात करता है। प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा से ईरान को ये संदेश मिल गया था कि भारत उसके साथ आर्थिक और सामरिक संबंधों को मजबूती देना चाहता है। भारत और अमेरिका के बीच 2008 में हुए असैन्य परमाणु करार के बाद ईरान के साथ बहुत सारी परियोजनाओं को या तो रद्द कर दिया गया था या टाल दिया था। इस कारण ईरान भारत से खफा तो था। भारत और ईरान के बीच मतभेद और गलतफमियां रही हैं। ईरान इस वजह से भारत से नाराज था क्योंकि उसने अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) में ईरान के परमाणु रिकॉर्ड के खिलाफ नकारात्मक वोट किया था। दरअसल, भारत ने अमेरिका के दबाव में ईरान के खिलाफ वोट किया था। ईरान भी भारत से संबंधों को मजबूती देना चाहता है। भारत तेल एवं गैस का दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है और वह ईरान से अधिकतम तेल एवं गैस खरीदना चाहता है। ईरान भी चाहता है कि उसे भारत जैसा बड़ा खरीददार मिल जाए।

विचार मंथन

आसन में विराजमान हुए रामलला, साकार होगी रामराज की परिकल्पना

(लेखक-सनत जैन)

श्री राम जन्मभूमि मंदिर में रामलला की की मूर्ति को आसन पर विराजमान कर दिया गया है। विराजित मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को होगी। पिछले 35 वर्षों से राम मंदिर और रामलला को लेकर देश की राजनीति में जो अस्थिरता का वातावरण बना हुआ था। निश्चित रूप से रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद भारत एक नई दिशा में चलना शुरू करेगा। यह दिशा मर्यादा पुरुषोत्तम राम द्वारा जो मार्ग बताया गया है। सरकार के लिए जो मानक भगवान राम के शासन काल में थे। भारत की जनता को भगवान राम के शासनकाल की तरह वही सुशासन प्राप्त होगा। जनता सुख और शांति के साथ जीवन का निर्वहन करेगी। रामराज की परिकल्पना को साकार करने की जिम्मेदारी अब केंद्र सरकार,राज्य सरकारों और प्रशासन की होगी। पिछले वर्षों में जिस तरह से अयोध्या में जहां भगवान राम का जन्म हुआ था। इस स्थान पर भगवान राम का मंदिर बनाकर, रामराज का जो सपना भारत की जनता को दिखाया गया है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद वह मूर्त रूप से फलित हो, यह आशा अब की जा सकती है ।देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 जनवरी को अयोध्या पहुंच रहे हैं। उनके सानिध्य में भगवान की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा होगी। भगवान राम क़ी जिस मूर्ति की पूजा अभी तक हो रही थी। उस मूर्ति और नवीन मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर लोगों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। पिछले कई दशकों से जिस रामलला की मूर्ति की पूजा बड़े श्रद्धा और आदर भाव से की जा रही थी। उन्हीं राम को नवीन मंदिर में ले जाने का संकल्प था। अब नया मंदिर बन गया है। भगवान टेंट के आवास को छोड़कर विशाल मंदिर में स्थापित हो गए हैं। नए मंदिर में नई मूर्ति को लेकर भक्तों में असमंजस बना हुआ है। जिन लोगों ने अयोध्या में दशकों तक भगवान राम की जिस मूर्ति की पूजा की है। उस मूर्ति की पूजा करने मिलेगी, या नहीं, इसको लेकर लोगों में संशय बना हुआ है। धर्माचार्यों का कहना है, कि एक ही बेदी और गर्भगृह में भगवान की एक ही मूर्ति की स्थापना और पूजा किए जाने का धर्म ग्रंथो में उल्लेख है। अभी जो नवीन मंदिर का गर्भगृह बना है। उस गर्भ में एक मूर्ति रहेगी, या दोनों मूर्तियां रहेगी। इसको लेकर भी तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। सनातन धर्म के सबसे बड़े प्रवर्तक चारों शंकराचार्य प्राण प्रतिष्ठा के इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हो रहे हैं। उनका कहना है कि मंदिर में जब तक शिखर का निर्माण नहीं होता है, उसमें ध्वजा नहीं लगाई जाती है। तब तक नई मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा नहीं की जा सकती है ।पुरानी मूर्ति को ही यदि गर्भ ग्रह में रखा जाता, तो प्राण प्रतिष्ठा करने की जरूरत ही नहीं होती। क्योंकि मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा पहले ही हो चुकी है। रामलला की मूर्ति क़ी कई दशकों से पूजा पाठ हो रही थी। भक्त प्रतिष्ठित मूर्ति के दर्शन पिछले कई वर्षों से करते चले आ रहे हैं। आस्था और विश्वास भक्तों में पुरानी मूर्ति को लेकर है। अब नए मंदिर में नई मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की जा रही है। भगवान को टेंट से लाकर नए भवन में स्थापित करना अलग बात थी। नई मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की जाना अलग बात है। इसमें धार्मिक विधि विधान का पालन किया जाना चाहिए, जो वर्तमान में नहीं किया जा रहा है। चारों शंकराचार्य का एकमतेन कहना है। उनका काम धर्म का पालन करना और कराना है। यदि धार्मिक क्रियाकलापों में कोई अधर्म हो रहा है, तो वह ना हो, यह देखने और उस पर मार्गदर्शन का काम उनका है। बहरहाल अयोध्या के नवनिर्मित गर्भग्रह का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। ऐसा ट्रस्ट कमेटी का कहना है। श्री राम जन्मभूमि मंदिर ट्रस्ट द्वारा कहा जा रहा है, कि वह विधि विधान के अनुसार भगवान की प्राण प्रतिष्ठा करने जा रहे हैं। बड़े पैमाने पर यह आयोजन किया जा रहा है। भारत के सभी सेलिब्रिटी को इस कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया है। प्राण प्रतिष्ठा के इस कार्यक्रम को ठीक उसी तरीके से मनाए जाने की व्यवस्था की जा रही है। जैसे रावण वध के बाद जब भगवान राम अयोध्या लौटे थे। उस समय जो उत्साह और हर्ष का वातावरण अयोध्या वासियों में था। उस समय अयोध्या में घर-घर दीपक जलाकर दीपावली मनाई गई थी। इस बार अयोध्या की वह दिवाली पूरे देश एवं विदेश में मनाने के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। 22 जनवरी को पूरे भारत के सभी राज्यों में घर घर में दीप प्रज्वलित होंगे। भगवान राम की भजन, कीर्तन और पूजन पाठ से आराधना होगी। भगवान राम आस्था और विश्वास के प्रतीक हैं। इस अवसर पर यही कहा जाना चाहिए कि आस्था और विश्वास के अनुसार भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा होने के पश्चात भारत और विश्व में सभी प्राणियों के बीच सद्भाव होगा। सभी जीव, सुख-शांति से रहेंगे। ठीक वही वातावरण होगा,जैसा भगवान राम के काल में था। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के आदर्श हमारे आचरण में आएं। यह आशा भक्तों द्वारा की जा रही है!

क्रांति समय

शनिवार 20-जनवरी-2024

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इंडसइंड बैंक ने तीसरी तिमाही में 17.3 फीसदी का नेट मुनाफा कमाया

मुंबई । इंडसइंड बैंक ने तीसरी तिमाही के रिजल्ट्स जारी कर दिए हैं। इंडसइंड बैंक ने बताया कि 2,297.8 करोड़ रुपये के साथ बैंक ने अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 17.3 फीसदी का नेट मुनाफा हुआ है। पिछले साल की समान तिमाही में बैंक को 1,959.2 करोड़ रुपये का नेट मुनाफा दर्ज किया था। पिछले वर्ष की समान तिमाही की तुलना में कर्ज 20 प्रतिशत बढ़कर 3,27,057 करोड़ रुपये हो गया, जबकि जमा में 13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। तिमाही के लिए नेट ब्याज आय 18 प्रतिशत बढ़कर 5,296 करोड़ रुपये हो गई। चालू वित्तवर्ष की तीसरी तिमाही में इंडसइंड बैंक की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (जीएनपीए) घटकर कुल कर्ज का 1.92 फीसदी रह गया। एक साल पहले की समान अवधि में एनपीए कुल कर्ज का 2.06 फीसदी था। दूसरी ओर, तिमाही में बैंक का नेट एनपीए भी घटकर 0.57 प्रतिशत रहा जो साल भर पहले 0.662 प्रतिशत था।

जलवायु और गरीबी की समस्याओं से निपटने तुरंत कदम उठाना चाहिएः विश्व बैंक प्रमुख

दावोस । विश्व बैंक प्रमुख अजय बंगा ने कहा कि जलवायु और गरीबी सहित आपस में जुड़े संकट का सामना कर रही दुनिया के लिए इससे निपटने के लिए तत्काल कदम उठाने की जरूरत है। विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक के एक सत्र में विश्व बैंक के अध्यक्ष ने कहा कि हमारे सामने जलवायु संकट की समस्या है। यह हमारे अस्तित्व को लेकर संकट है। हम जलवायु की परवाह किये बिना गरीबी उन्मूलन के बारे में नहीं सोच सकते। हम स्वास्थ्य देखभाल की परवाह किये बिना गरीबी उन्मूलन के बारे में नहीं सोच सकते। हम खाद्य असुरक्षा की परवाह किये बिना गरीबी उन्मूलन के बारे में नहीं सोच सकते। यह वास्तविकता है और हमारे सामने कई तरह के संकट हैं, जो आपस में जुड़े हैं। इससे बचने का एकमात्र तरीका इसके समाधान के लिए तत्काल कदम उठाना है। उनके अनुसार विश्व बैंक के वित्तपोषण का 45 प्रतिशत जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने प्रयासों पर खर्च किया जाएगा। इसके अलावा बैंक ने 2030 तक अफ्रीका में 10 करोड़ लोगों को नवीकरणीय ऊर्जा से जोड़ने, छोटे देशों को जलवायु आपदाओं की लागत को उठाने में मदद करने और कार्बन बाजारों से लाभ सुनिश्चित करने का आदि वादा किया है। उसी सत्र में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने कहा कि इस दिशा में तत्काल उठाने की इस भावना को सरकारों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय संस्थानों को समझना होगा और पहल करनी होगी।

महाराष्ट्र सरकार ने वेब वर्क्स के साथ किया समझौता

मुंबई । महाराष्ट्र सरकार ने अगले पांच वर्षों में प्रदेश में एक विशाल आईटी, आईटीईएस डेटा सेंटर में निवेश के लिए वेब वर्क्स के साथ 10,000 करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर गुरुवार रात को जानकारी दी कि दावोस में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की मौजूदगी में एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। सीएमओ के अनुसार निवेश प्रस्ताव में 1,500 लोगों के लिए प्रत्यक्ष रोजगार उत्पन्न होगा। इससे पहले मुख्यमंत्री शिंदे ने बताया था कि दावोस में विश्व आर्थिक मंच में राज्य ने 3,53,675 करोड़ रुपये के एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं।

भारत पर बढ़ा दुनिया का भरोसा, वृद्धि दर 7 फीसदी रहने का अनुमान

नई दिल्ली ।

भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया में तेजी से उभर रही है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की रिपोर्ट में कहा गया है` कि हमारा आर्थिक गतिविधि सूचकांक (ईएआई) अब 2023-24 की तीसरी तिमाही के लिए सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 7 प्रतिशत रखता है। पहले विकास दर 6.5 फीसदी रहने का अनुमान लगाया गया था। इसके अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था ने 2023-24 में उम्मीद से अधिक मजबूत वृद्धि दर्ज की, जो उपभोग से निवेश की ओर बदलाव के साथ-साथ पूंजीगत व्यय पर सरकार के जोर के साथ निजी निवेश में वृद्धि पर आधारित है। अर्थव्यवस्था की स्थिति पर रिपोर्ट के अनुसार प्रतिकूल आधार प्रभावों के कारण उच्च खाद्य मुद्रास्फीति के कारण दिसंबर में हेडलाइन मुद्रास्फीति में मामूली वृद्धि दर्ज की गई। साथ ही रिपोर्ट वैश्विक मंदी के कारण नकारात्मक जोखिमों को भी चिन्हित करती है। विशे व अर्थव्यवस्था को निकट भविष्य में विकास की भिन्न-भिन्न संभावनाओं का सामना करना पड़ रहा है। रिपोर्ट यह भी बताती है कि खुदरा और सेवा क्षेत्रों को ऋण देने से भारतीय बैंकों (एससीबी) की समेकित बैलेंस शीट में लगातार विस्तार हुआ है। उच्च शुद्ध ब्याज आय और कम प्रावधान ने शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) और लाभप्रदता को बढ़ावा दिया। सितंबर 2023 के अंत में सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (जीएनपीए) अनुपात 3.2 प्रतिशत होने के साथ परिसंपत्ति गुणवत्ता में भी लगातार सुधार हुआ है। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) की समेकित बैलेंस शीट का भी विस्तार हुआ, जिसका नेतृत्व किया गया दोहरे अंक की ऋण वृद्धि हुई, जबकि लाभप्रदता और परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार हुआ और सीआरएआर नियामक आवश्यकता से अधिक रहा।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें कई राज्यों में बदलीं

-ब्रेंट क्रूड 78.96 प्रति बैरल पर

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में मामूली गिरावट नजर आ रही है। शुक्रवार को शुरुआत में डब्ल्यूटीआई क्रूड गिरावट के साथ 73.89 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था, वहीं ब्रेंट क्रूड 78.96 प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। इस बीच देश में ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के ताजा भाव जारी कर दिए हैं। असम, आंध्रा प्रदेश, महाराष्ट्र समेत कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल सस्ता हुआ है जबकि बिहार, जम्मू-कश्मीर, पंजाब और राजस्थान में ईंधन की कीमतें बढ़ी हैं। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.77 रुपये और डीजल 89.94 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपये और डीजल 94.04 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

पेप्सिको ने जागृत कोटेचा को बनाया अपना नया सीईओ

नई दिल्ली ।

खाद्य एवं पेय पदार्थ कंपनी पेप्सिको ने भारत में नए नेतृत्व की घोषणा कर दी है। कंपनी ने जागृत कोटेचा को मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के रूप में भारतीय कारोबार का नेतृत्व करेंगे, जबकि अहमद अल शेख पश्चिम एशिया व्यापार इकाई का प्रभार संभालेंगे। पेप्सिको की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक, कोटेचा अफ्रीका, मध्य-पूर्व और दक्षिण अफ्रीका के वर्तमान मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी हैं। वह अहमद अल शेख का स्थान लेंगे। बयान के अनुसार नेतृत्व में यह बदलाव पेप्सिको के दूरदर्शी वैश्विक दृष्टिकोण को दर्शाता है। एएमईएसए में नेतृत्व स्तर पर बदलाव की जानकारी भारतीय कार्यालय के कर्मचारियों को दी गई। पेप्सिको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (अफ्रीका, पश्चिम एशिया एवं दक्षिण एशिया) यूजीन विलेम्सन ने कहा कि भारत कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार बना हुआ है, जो हमारी वैश्विक रणनीति में अहम भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले छह साल में अहमद ने व्यवसाय को बदलने, नवाचार को आगे बढ़ाने और चुनौतीपूर्ण परिदृश्यों में दल का नेतृत्व करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। नई भूमिका में उनके साथ काम करने को उत्साहित हूं।कोटेचा का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि हम अपने भारतीय उपभोक्ताओं के साथ उनके नेतृत्व में सफलता की नई ऊंचाइयों को छूना जारी रखेंगे। पेप्सिको के पास पेप्सी, लेज़, कुरकुरे, ट्रॉपिकाना, गेटोरेड और क्वेकर जैसे ब्रांड हैं। इसने 1989 में भारतीय बाजार में प्रवेश किया जो यहां अब सबसे बड़े खाद्य तथा पेय व्यवसायों में से एक है।

शेयर बाजार बढ़त पर बंद

मुम्बई ।

मुम्बई शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त पर बंद हुआ। इसी के साथ ही गत तीन कारोबारी सत्र से जारी गिरावट रुक गयी। वैश्विक बाजारों से मिले अच्छे के साथ ही वित्तीय और आईटी शेयरों में जमकर खरीददारी से बाजार ऊपर आया हालांकि एचडीएफसी बैंक सहित अन्य बैंकिंग शेयरों की गिरावट ने बाजार की तेजी पर अंकुश लगा दिया। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स सेंसेक्स तकरीबन 0.70 फीसदी की बढ़त के साथ ही 71,683.23 के स्तन पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाले नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 0.75 फीसदी तकरीबन 160.15 अंक बढ़कर 21,622.40 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं सेंसेक्स की कंपनियों में भारती एयरटेल के शेयर आज बीएसई में इंट्रा डे कारोबार में 5 फीसदी बढ़कर 1,136 रुपये तक पहुंच गये। इसके साथ ही टाइटन, एक्सिस बैंक, टेक महिंद्रा, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, विप्रो, इंफोसिस और आईटीसी समेत एचसीएल टेक के शेयर भी बढ़त के साथ बंद हुए। वहीं दूसरी ओर बैंकिंग शेयरों में आज भी गिरावट आई। आईसीआईसीआई और एक्सिस बैंक को छोड़कर बीएसई सेंसेक्स में शामिल इंडसइंड बैंक, स्टेट बैंक, एचडीएफसी बैंक, कोटक बैंक के शेयरों में गिरावट रही। एचडीएफसी बैंक शेयर 1.08 फीसदी करीब 16.10 रुपये नीचे आकर 1470.70 पर बंद हुए। दूसरी ओर अमेरिकी शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। नैस्डैक 1.35 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। डॉव और एसएंडपी 500 भी 0.54 और 0.88 फीसदी ऊपर आये। इसके अलावा यूरोपीय बाजार भी बढ़त रही। इससे पहले आज सुबह दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों से घरेलू शेयर बाजार बढ़त के साथ खुले।

बीएसई सेंसेक्स 600 अंक ऊपर आकर 71,786 पर और एनएसई निफ्टी 148 अंक बढ़कर 21,600 पर पहुंच गया। वहीं टेक एम, विप्रो, एक्सिस बैंक, एनटीपीसी, एचडीएफसी बैंक, इंफोसिस और अल्ट्राटेक के शेयरों में 1-2 फीसदी की बढ़त रही। इसके अलावा निफ्टी में कोल इंडिया के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त रही। वहीं दूसरी ओर, इंडसइंड बैंक और अपोलो अस्पताल के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। इसके अलावा बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में भी मजबूती आई और इनमें 0.8 फीसदी और 0.9 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। निफ्टी आईटी, फाइनेंशियल और मीडिया सूचकांकों में 1 फीसदी से अधिक की बढ़त रही।

शेयर बाजार में अवकाश के दिन भी ट्रेडिंग....जाने क्यों

स्टॉक एक्सचेंज-बीएसई और एनएसई ने जारी किया था सर्कुलर

मुंबई।

शेयर बाजार में शनिवार को भी स्पेशल ट्रेडिंग होगी। बता दें कि शेयर बाजार में शनिवार और रविवार को साप्ताहिक अवकाश होता है। लेकिन इस बार ऐसा नहीं होगा। बीते दिनों स्टॉक एक्सचेंज-बीएसई और एनएसई की ओर से एक सर्कुलर जारी किया गया था। सर्कुलर के मुताबिक डिजास्टर रिकवरी (डीआर) साइट पर स्विच करने के लिए 2 विशेष लाइव सेशन आयोजित होगा। पहला सेशन सुबह 9:15 बजे शुरू होगा और यह सुबह 10:00 बजे समाप्त होगा। वहीं, दूसरा सेशन सुबह 11:30 बजे शुरू होकर 12:30 बजे बंद होगा।

दरअसल, ट्रेडिंग सेशन के द्वारा देखा जाएगा कि इमरजेंसी के हालात में सर्वर की कैपिबिलिटी कितनी है। इसके तहत स्टॉक एक्सचेंज डिजास्टर रिकवरी (डीआर) साइट का ट्रायल होगा। स्टॉक एक्सचेंजों का मकसद है कि विषम परिस्थिति में बिना किसी बाधा के ट्रेडिंग को जारी रखी जा सके। मान लो किसी साइबर अटैक, सर्वर क्रैश या अन्य परिस्थितियों में ट्रेडिंग को डिजास्टर रिकवरी (डीआर) साइट पर शिफ्ट कर दिया जाएगा। इससे मार्केट और निवेशकों में स्थिरता बनी रहेगी और ट्रेडिंग भी सुचारू रूप से चलता रहेगा।

सर्कुलर के मुताबिक शनिवार को इक्विटी और इक्विटी डेरिवेटिव्स सेगमेंट में प्राइमरी साइट से डिजास्टर रिकवरी साइट पर इंट्रा-डे स्विच के साथ विशेष लाइव ट्रेडिंग सेशन आयोजित किया जाएगा। इसकी टाइमिंग कुछ ऐसी होगी-

सुबह 9:00 बजे से 9:08 बजे तक प्री-ओपन सत्र होगा।

इसके बाद सामान्य बाजार सुबह 9:15 बजे खुलेगा और 10:00 बजे बंद हो जाएगा। इस दौरान ट्रेडिंग प्राइमरी वेबसाइट पर होगी।

दूसरा सेशन डीआर साइट पर

- प्री-ओपन सेशन सुबह 11:15 बजे शुरू होगा और यह 11:30 बजे समाप्त होगा।
- सामान्य बाजार सुबह 11:30 बजे खुलेगा और दोपहर 12:30 बजे बंद होगा।
- क्लोजिंग सेशन दोपहर 12:40 बजे से 12:50 बजे तक होगा।
- बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज यानी बीएसई की भी ट्रेडिंग टाइमिंग यही होगी।

भारत में सौदों का मूल्य 2023 में घटकर 66 अरब डॉलर रहा

मुंबई ।उच्च वृद्धि के बावजूद भारत में सौदों का मूल्य 2023 में आधे से अधिक घटकर 66 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया। एक रिपोर्ट में यह बात कही गई। रिपोर्ट के अनुसार 2023 में 1,641 सौदे हुए। यह 2022 की तुलना में 20 प्रतिशत से अधिक की गिरावट है। रिपोर्ट में कहा गया है` कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में तरलता की कमी, अस्थिर बाजार की स्थिति और निवेशकों के सतर्क रुख ने 2023 में सौदा गतिविधियों में बाधा उत्पन्न की। भारत का स्थिरता तथा पर्यावरणीय जिम्मेदारी पर जोर उसे वैश्विक अर्थव्यवस्था में अवसरों के लिए एक आकर्षक केंद्र के रूप में स्थापित करता है। इसलिए हमें सबसे पहले मुद्रा की ताकत और वैश्विक अस्थिरता जैसी चुनौतियों पर काबू पाना होगा। रिपोर्ट के अनुसार 494 लेनदेन में विलय तथा अधिग्रहण (एमएंडए) सौदे का मूल्य 72 प्रतिशत गिरकर 25.2 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। घरेलू कंपनियों का विदेश में विलय तथा अधिग्रहण 3.2 अरब अमेरिकी डॉलर रहा, जबकि 2022 में समान अवधि में यह 17.9 अरब अमेरिकी डॉलर था। रिपोर्ट में कहा गया कि सबसे बड़ा लेन-देन रियल एस्टेट क्षेत्र में सुरक्षा समूह द्वारा 2.5 अरब अमेरिकी डॉलर में जेपी का अधिग्रहण था। सबसे बड़ा सौदा टेमासेक होल्डिंग्स का मणिपाल हेल्थ एंटरप्राइजेज में दो अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश था।

गैलेक्सी एस24 श्रृंखला के स्मार्टफोन बनाएगी सैमसंग

- 18 जनवरी से स्मार्टफोन की प्री बुकिंग प्रारंभ

नई दिल्ली ।

सैमसंग कंपनी भारतीय कारखाने में नवीनतम कृत्रिम बुद्धिमत्ता से युक्त गैलेक्सी एस24 श्रृंखला के स्मार्टफोन बनाएगी। कंपनी ने अपने नवीनतम फ्लैगशिप स्मार्टफोन - गैलेक्सी एस24 सीरीज का अनावरण किया। इसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित अनुप्रयोगों पर खासतौर से ध्यान दिया गया है। इसमें हिंदी सहित चुनिंदा भाषाओं में तत्काल वॉयस कॉल और संदेश अनुवाद, बेहतर छवि संपादन, कंटेंट निर्माताओं को लुभाने के लिए बेहतर कैमरा और मजबूत डिस्प्ले के लिए कॉर्निंग गोरिल्ला आर्मर ग्लास जैसे फीचर शामिल हैं। सैमसंग इंडिया के अध्यक्ष और सीईओ जेबी पार्क ने कहा, 'यह एक भविष्य का उपकरण है। दुनिया एआई के बारे में अगली बड़ी चीज की बात कर रही है, जबकि गैलेक्सी एस24 श्रृंखला इसे आपके सामने सीधे लेकर आ रही है। मुझे यह घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि गैलेक्सी एस24 श्रृंखला का विनिर्माण भारत में हमारे नोएडा कारखाने में किया जाएगा।' उन्होंने कहा कि भारत में उपभोक्ता 18 जनवरी से गैलेक्सी एस24 श्रृंखला के स्मार्टफोन की प्री-बुकिंग कर सकते हैं और इसकी बिक्री 31 जनवरी से शुरू होगी। पार्क ने कहा, 'सैमसंग में, हमें भारत में प्रीमियम उत्पादों को बढ़ावा देने पर गर्व है। मुझे विश्वास है कि भारत गैलेक्सी एस24 को संचालित करके एआई क्रांति को अपनाने में सबसे आगे होगा।' सैमसंग इंडिया के मोबाइल व्यवसाय के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजू पुलन ने कहा कि पूरी एस24 श्रृंखला का विनिर्माण भारत के साथ ही दुनिया के अन्य हिस्सों के लिए भी किया जाएगा। उन्होंने कहा, 'गैलेक्सी एस24 श्रृंखला की पूरी रेंज भारत में तैयार की जाएगी और हम इसे भारत से दुनिया के लिए भी उपलब्ध कराएंगे।' सैमसंग ने गैलेक्सी एस24 श्रृंखला के स्मार्टफोन की स्टोरेज क्षमता आठ जीबी सिस्टम मेमोरी (रैम) और 256 जीबी स्टोरेज मेमोरी (रैम) से लेकर 12 जीबी रैम और एक टेराबाइट (टीबी) रैम तक रखी है। ये स्मार्टफोन भारत में 79,999 रुपये से 1,59,999 रुपये के दायरे में उपलब्ध होगा।

एमएनजीएल ने कम-उत्सर्जन सुनिश्चित करने हीथ कंसल्टेंट्स से किया समझौता

ह्यूस्टन ।

गैस वितरक महाराष्ट्र नेचुरल गैस लिमिटेड (एमएनजीएल) ने अपने प्राकृतिक गैस उपयोगिता बुनियादी ढांचे में कम-उत्सर्जन सुनिश्चित करने के लिए अमेरिका स्थित हीथ कंसल्टेंट्स इनकॉर्पोरेटेड के साथ एक प्रौद्योगिकी स्तर का सहयोग किया है।

एमएनजीएल की ओर से जारी एक बयान के अनुसार यूएस-इंडिया लो एमिशन गैस टास्क फोर्स (एलईजीटी) के तहत हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन (एमओयू) एमएनजीएल और हीथ को उत्सर्जन में कमी, भूमिगत उपयोगिता को होने वाले नुकसान को रोकने आदि के अवसरों की संयुक्त रुप से पहचान करने में मदद करेगा।

एमएनजीएल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कंपनी के बयान में कहा कि इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने से हम ऐसे पहचाने गए अवसरों को विशिष्ट कार्यान्वयन योग्य परियोजनाओं में बदलने के लिए काम करेंगे। एमओयू पर एमएनजीएल के निदेशक (वाणिज्यिक) संजय शर्मा और हेल्थ कंसल्टेंट्स के कार्यकारी उपाध्यक्ष पॉल वेह्र्ट ने हस्ताक्षर किए।

ह्यूस्टन में भारतीय महावाणिज्य दूत डीसी. मंजूनाथ की उपस्थिति में यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम (यूएसआईएसपीएफ) की सहायता से समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। मंजूनाथ ने कहा कि एजेंडा 2030 साझेदारी के साथ हाल के वर्षों में भारत और अमेरिका के बीच ऊर्जा सहयोग काफी गहरा हुआ है। भारत और अमेरिका के बीच ऊर्जा सहयोग के हिस्से के रूप में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने यूएस-भारत जलवायु एवं स्वच्छ ऊर्जा एजेंडा 2030 साझेदारी की घोषणा की है।

श्रीराम के रंग में रंगा पूरा देश, 1 लाख करोड़ का कारोबार होने का अनुमान

- देश भर में राम मंदिर के 5 करोड़ से ज्यादा मॉडल बिकने की उम्मीद

नई दिल्ली ।

अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाली राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का उत्सव मनाने को लेकर पूरे देश में उत्साह का माहौल छाया हुआ है। देश के महानगरों सहित हर छोटे-बड़े शहरों में दिवाली मनाने जैसा नजारा देखने को मिल रहा है। शहर में जगह-जगह झंडे, बैनर, पोस्टर लगाए जा रहे हैं। देश भर में राम मंदिर के 5 करोड़ से ज्यादा मॉडल भी बिकने की उम्मीद है, जिन्हें बनाने के लिए कई शहरों में छोटे कारखाने दिन-रात काम कर रहे हैं। 20 रुपये में छोटे ध्वज से लेकर 500 रुपये में बड़े आकार के पोस्टर बैनर तक बिक रहे हैं।

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महासचिव प्रवीन खंडेलवाल ने 30 शहरों के व्यापार मंडलों से अनुमान जुटाने के बाद प्राण प्रतिष्ठा के कारण 1 लाख करोड़ रुपये का कारोबार होने का अनुमान लगाया है।

देश भर में करीब 7 करोड़ व्यापारी कैट से जुड़े हैं और पहले उसने 50,000 करोड़ रुपये के कारोबार का अनुमान लगाया था। कारोबारियों का कहना है कि लोगों की आस्था नए कारोबार को जन्म दे रही है। उनका कहना है कि देश भर में व्यापार मंडल करीब 30,000 कार्यक्रम करा रहे हैं, जिनमें श्री राम चौकी, पदयात्रा, स्कूटर-कार रैली तथा सभाएं आदि शामिल हैं। राज्य सरकार ने लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर, आगरा, मथुरा और प्रयागराज से अयोध्या के लिए हेलिकॉप्टर सेवाएं भी शुरू करने की घोषणा की है। इन सेवाओं की कीमत 11,000 रुपये से लेकर 35,000 रुपये के बीच होगी। नई दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, अहमदाबाद और बेंगलूरु से अयोध्या के लिए सीधी हवाई उड़ानें पहले ही शुरू हो चुकी हैं। सीएआईटी महाराष्ट्र शाखा के महासचिव शंकर ठक्कर कहते हैं कि 5 जनवरी और 22 जनवरी बीच मुंबई-एमएमआर में फल, फूल और मिठाइयों जैसी पूजा सामग्री की करीब 10,000 करोड़ रुपये की बिक्री होने का अनुमान है।

राम दरबार अंकित सोने और चांदी के सिक्के लोगों को काफी पसंद आ रहे हैं। चांदी की बिक्री काफी बढ़ी है।

घरेलू हवाई यातायात 2030 तक बढ़कर 300 मिलियन हो जाएगाः सिंधिया

- भारत दुनिया के प्रमुख 20 बाजारों में एक होगा

हैदराबाद ।

नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि भारत का घरेलू हवाई यातायात 2030 तक बढ़कर 300 मिलियन हो जाएगा। हाल ही में हैदराबाद के बेगमपेट हवाईअड्डे पर विंग्स इंडिया 2024 को संबोधित करते हुए सिंधिया ने कहा` कि घरेलू यात्री यातायात जो 2014 में 60 मिलियन था, वह कोविड से पहले बढ़कर 145 मिलियन और 2023 में यह बढ़कर 153 मिलियन हो गया। उन्होंने कहा कि साल 2030 तक 300 मिलियन की अनुमानित वृद्धि के बावजूद भारत दुनिया के प्रमुख 20 बाजारों में एक होगा। आज हमारी पहुंच लगभग 3-4 प्रतिशत है, जो बढ़कर 10-15 प्रतिशत हो जाएगी। हमें अभी भी 85 प्रतिशत तक पहुंच हासिल करनी है। हम क्षमताएं बनाकर, बाधाओं को दूर कर और प्रक्रियाओं को सरल बनाकर इस क्षमता की तैयारी कर रहे हैं ताकि 2047 तक विमानन क्षेत्र 20 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का समर्थन करने में सक्षम हो सके। कोविड से पहले दैनिक यात्री यातायात 4,00,425 था। अप्रैल-मई में यह बढ़कर 4,50,000 हो गया और नवंबर-दिसंबर 2023 में प्रति दिन

4,67,000 यात्रियों तक पहुंच गया। पिछले 10 वर्षों में घरेलू यात्री यातायात 15.3 प्रतिशत की सीएजीआर से बढ़ा, जबकि अंतर्राष्ट्रीय यातायात 6.1 प्रतिशत की दर से बढ़ा। भारत तीसरा सबसे बड़ा घरेलू नागरिक उड्डयन बाजार और सातवां सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन बाजार है। दोनों को मिला दिया जाए तो भारत दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा नागरिक उड्डयन बाजार है। मंत्री ने कहा कि भारत संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन के बाद दुनिया में विमान का सबसे बड़ा खरीदार बन गया है। उम्मीद है कि अगले दशक में भारत का बेड़ा 713 से बढ़कर 2,000 से अधिक हो जाएगा। उन्होंने कहा कि देश, जिसके पास 2013-14 में 400 विमान थे, ने अपने बेड़े को 713 विमानों तक बढ़ा दिया है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों के दौरान, भारत ने 74 हवाईअड्डे, वॉटरड्रोम और हेलीपोर्ट जोड़े, जिससे संख्या 149 हो गई। साल 2030 तक यह संख्या 200 के पार हो जाएगी।

बिग बैश लीग : मैक्सवेल ने मेलबर्न स्टार्स की कप्तानी छोड़ी

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने बिग बैश लीग (बीबीएल) टीम मेलबर्न स्टार्स की कप्तानी छोड़ दी है। मैक्सवेल ने टीम के प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाने के कारण टीम की कप्तानी से इस्तीफा दिया। मेलबर्न स्टार्स आठ टीमों की प्रतियोगिता के राउंड-रॉबिन चरण के बाद अंक तालिका में 6 नंबर पर है। टीम ने 10 मैचों में से चार जीते और छह में उसे हार का सामना करना पड़ा। मैक्सवेल ने पांच साल से अधिक समय तक टीम के कप्तान रहने के बाद अपने पद से इस्तीफा दिया है। एक रिपोर्ट के अनुसार मैक्सवेल ने होबार्ट हरिकेन्स के हाथों अंतिम मैच में टीम को मिली हार के बाद अपने फैसले की जानकारी दी। मैक्सवेल ने हाल के समय में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं किया था। उन्होंने कहा कि उनकी टीम ने अवसरों का लाभ नहीं उठाया। मैक्सवेल साल 2018 में मेलबर्न टीम के कप्तान बने थे। तब उन्होंने जॉन हेस्टिंग्स की जगह कप्तानी संभाली थी। हेस्टिंग्स ने डेविड हसी के संन्यास के बाद एक सत्र के लिए कप्तान के तौर पर काम किया था। मैक्सवेल की कप्तानी में स्टार्स को 2018-19 और 2019-20 दोनों ही साल में मेलबर्न रेनेगेड्स और सिडनी सिक्सर्स के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। मैक्सवेल का स्टार्स के साथ अनुबंध अभी भी कुछ साल बाकी था।

अंडर 19 विश्व कप के पहले मुकाबले में आज बांग्लादेश पर जीत दर्ज करने उतरेगी भारतीय टीम

दोपहर 1.30 बजे से होगा मुकाबला

ब्लोमफोंटेन ।

भारतीय जूनियर क्रिकेट टीम शनिवार को आईसीसी अंडर 19 विश्व कप के पहले मुकाबले में बांग्लादेश से खेलेगी। भारतीय टीम की कप्तानी उदय सहारन करेंगे। अंडर 19 विश्व कप में भारतीय टीम को ग्रुप ए में यूएई, बांग्लादेश और आयरलैंड के साथ रखा गया है। भारतीय टीम को 2020 में आयोजित अंडर 19 टी20 विश्व कप में बांग्लादेश की टीम ने ही फाइनल में 3 विकेट से हराकर खिताब जीता था। ऐसे में भारतीय टीम का लक्ष्य इस बार उससे हिसाब बराबर करना रहेगा। भारतीय टीम बांग्लादेश के बाद 25 जनवरी को आयरलैंड का सामना करेगी। वहीं अंतिम लीग मैच में भारतीय टीम 28 जनवरी को यूएई से खेलेगी। भारतीय टीम ने सबसे अधिक अंडर-19 खिताब जीते हैं और इस बार भी उसका लक्ष्य ये सिलसिला आगे बढ़ाना रहेगा। ग्रुप ए में पांच बार की चैम्पियन भारतीय टीम बांग्लादेश के बाद आयरलैंड और अमेरिका से खेलेगी। भारतीय टीम ने साल 2002 में मोहम्मद कैफ की कप्तानी में पहला खिताब जीता था। उसके बाद से 2008, 2012, 2018 और 2022 में भारत चैम्पियन रहा। इसमें चार समूहों में चार चार टीमें रखी गई है। हर समूह से शीर्ष तीन टीमें सुपर सिक्स में पहुंचेंगी। इसका सेमीफाइनल आठ और छह फरवरी को जबकि फाइनल 11 फरवरी को बेनोनी में खेला जाएगा। भारतीय टीम में अर्शिन कुलकर्णी भी हैं जो आईपीएल में अनुबंध पाने वाले इस टीम के दो खिलाड़ियों में से एक हैं। अर्शिन ने टूर्नामेंट में नौ छक्के लगाए थे। इसके अलावा टीम में मुशीर खान और राज लिम्बानी जैसे अच्छे खिलाड़ी हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

भारत : उदय सहारन (कप्तान), अर्शिन कुलकर्णी, आदर्श सिंह, रूद्र मयूर पटेल, सचिन दास, प्रियांशु मोलिया, मुशीर खान, अरावेली अवनीश राव, स्वामी कुमार पांडे, मुरूगन अभिषेक, इनेश महाजन, धनुष गौड़ा, आराध्य शुक्ला, राज लिम्बानी, नमन तिवारी।

बांग्लादेश : महफुजूर रहमान रब्बी (कप्तान), आशिकुर रहमान शिबली, जिशान आलम, आरिफुल इस्लाम, मोहम्मद शिहाब जेम्स, अहरार अमीन, शेख परवेज जिबोन, वासी सिद्दीकी, मारूफ एम, चौधरी मोहम्मद रिजवान, आदिल बिन सिद्दीक, मोहम्मद अशरफुज्जामन, मोहम्मद रफी उज्जामन रफी, रहनत दौला बोरसन, इकबाल हुसैन एमन।

मिचेल और फिलिप्स की शानदार बल्लेबाजी से न्यूजीलैंड ने चौथा टी20 भी जीता

क्राइस्टचर्च ।

डैरिल मिचेल और ग्लेन फिलिप्स की शानदार बल्लेबाजी से न्यूजीलैंड ने चौथे टी20 क्रिकेट मुकाबले में भी पाकिस्तान को सात विकेट से हरा दिया। मिचेल ने नाबाद 72 और ग्लेन फिलिप्स ने नाबाद 70 रन बनाकर पाक गेंदबाजों के हाथों से ये मुकाबला छीन लिया। इस मैच में 159 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए मेजबान टीम ने 20 रनों पर ही तीन विकेट खो दिये थे पर इसके बाद कीवी टीम के मध्यक्रम के बल्लेबाज ग्लेन फिलिप्स और डेरिल मिचेल ने चौथे विकेट लिए नाबाद 139 रन बनाकर अपनी टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया। कीवी टीम ने ये लक्ष्य 18.1 ओवर में ही तीन विकेट पर 159 रन बनाकर हासिल कर लिया। इसी के साथ न्यूजीलैंड की टीम ने सीरीज में 4-0 की बढ़त हासिल कर ली है। वहीं पाकिस्तान की ओर से तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी ने तीन विकेट लिये। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए पाक की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसके सलामी बल्लेबाज सैम अयूब एक रन बनाकर ही पेवेलियन लौट गये। इसके बाद बाबर आजम 19 रन और फखर जमान भी नौ रनों पर ही आउट हो गये। मोहम्मद रिजवान ने सबसे अधिक 90 रन बनाए। उन्होंने आजम के साथ दूसरे विकेट के लिए 51 रन बनाये। उन्होंने पांचवें विकेट के लिए इफ्तिखार अहमद 10 रन के साथ 40 रन जोडे। पाक टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 158 बनाये।

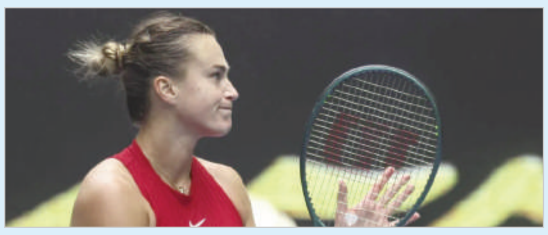

सबालेंका और गॉफ़ ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस के अंतिम 16 में पहुंची

मेलबर्न । बेलारुस की गत चैंपियन आर्यना सबालेंका ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस के अंतिम 16 में पहुंच गयी हैं। सबालेंका ने अपनी विरोधी लेसिया सुरेंको को 6-0, 6-0 से हराया। सबालेंका ने इसी के साथ ही यहां अपना दसवां मैच 52 मिनट में ही जीत लिया। इसी के साथ ही सबालेंका साल 2017 से 2019 तक यहां लगातार 10 जीत दर्ज करने वाली पहली खिलाड़ी बन गयी हैं। इससे पहले ये उपलब्धि अमेरिका की सेरेना विलियम्स के नाम थी। सबालेंका अब अपने अंतिम मुकाबले में संयुक्त राज्य अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा से खेलेंगी। अनिसिमोवा ने अपने करियर के पांच मुकाबलों में से चार में सबालेंका को हराया है। उनका पहला मुकाबला 2019 ऑस्ट्रेलियाई ओपन में हुआ, जिसे अनिसिमोवा ने 6-3, 6-2 से जीता था। इसी के साथ ही वह 16वें दौर में पहुंच गई। वहीं अन्य मैच में अमेरिका की कोको गॉफ़ ने अपने ही देश की ट्रेनिंग पार्टनर एलिसिया पार्क्स को 6-0 6-2 से हराकर चौथे दौर में जगह बनायी। गॉफ अब क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए मैग्डेलेना फ्रेच या क्वालीफायर अनस्तासिया ज़खारोवा का सामना करेगी।

हसरंगा की शानदार गेंदबाजी से श्रीलंका ने जिम्बाब्वे को तीसरे टी-20 में हराकर सीरीज जीती

कोलंबो ।

स्पिनर वानिंदु हसरंगा की घातक गेंदबाजी से श्रीलंका ने यहां खेले गए तीसरे और अंतिम टी-20 मुकाबले में जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम को 9 विकेट से हराकर सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली है। इस मैच में श्रीलंकाई टीम को जीत के लिए 83 रनों का आसान सा लक्ष्य मिला जो उसने पथुम निसंका के नाबाद 39 रनों और कुसल मेंडिस के 33 रनों की सहायता से 10.5 ओवर में भी एक विकेट के नुकसान पर 88 रन बनाकर हासिल कर लिया। धनंजय डीसिल्वा 15 रन बनाकर आउट नहीं हुए। इस मैच में टॉस जीतकर श्रीलंकाई टीम ने जिम्बाब्वे को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। जिम्बाब्वे की टीम श्रीलंकाई गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायी और 14.1 ओवर में ही 82 रनों पर सिमट गयी। ब्रायन बेनेट ने सबसे अधिक 29 रन बनाए। वहीं शॉन विलियम्स ने 15 रन जबकि कप्तान सिकंदर रजा ने 10 और तिनाशे कामुनहुकांवे ने 12 रन बनाये। जिम्बाब्वे के छह खिलाड़ी दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये। वहीं श्रीलंका की ओर से वानिंदु हसरंगा ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए जबकि महीश तीक्ष्णा और एंजलो मैथ्यूज ने भी दो-दो खिलाड़ियों को आउट किया। धनंजय डीसिल्वा और दिलशान मदुशंका को एक-एक विकेट मिला। तीसरे मैच में जीत के बाद श्रीलंकाई कप्तान वानिंदु हसरंगा ने अपनी टीम की प्रशंसा करते हुए कहा कि गेंदबाजों और क्षेत्ररक्षकों ने अच्छा प्रदर्शन किया। वहीं, जिमबाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने अपनी गलती मानते हुए कहा कि हमारी बल्लेबाजी कमजोर रही और हम 82 रन ही बनाये पाये। इसी कारण टीम को हार का सामना करना पड़ा है।

संक्षिप्त समाचार

टी20 में सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में गेल पहले नंबर पर

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने अफगानिस्तान के खिलाफ अंतिम टी20 मैच में शतक लगाने के साथ ही एक अहम उपलब्धि हासिल की। वह टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे अधिक शतक लगाने वाले बन गये हैं। वहीं अगर देखा जाये तो सबसे अधिक टी20 शतक का रिकार्ड वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज क्रिस गेल के नाम है। गेल ने टी20 में सबसे ज्यादा शतक लगाये हैं। उनके नाम टी20 प्रारुप में 22 शतक हैं और कोई भी उनके करीब नहीं है। वहीं पाकिस्तान के बाबर आजम 10 शतक के साथ ही दूसरे नंबर पर हैं। वहीं तीसरे नंबर पर भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और तीन अन्य खिलाड़ी हैं। विराट कोहली ने टी20 में कुल 8 शतक लगाये हैं। ऑस्ट्रेलिया के डेविड वार्नर, एरोन फिंच और माइकल कलिंगर के नाम भी इतने ही शतक हैं. ये चारों ही टी20 शतक के मामले में संयुक्त रूप से तीसरे नंबर पर आते हैं। वहीं रोहित के नाम टी20 प्रारुप में कुल 7 शतक हैं। उनके अलावा न्यूजीलैंड के के ब्रैंडन मैक्कुलम और इंग्लैंड के ल्यूक राइट के नाम भी सात-सात शतक हैं।

पाक क्रिकेट टीम के तीनों ही विदेशी कोचों आर्थर, ब्राडबर्न और पुटिक ने दिया इस्तीफा

कराची । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के तीनों ही विदेशी कोचों ने इस्तीफा दे दिया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा है कि विदेशी कोच मिकी आर्थर, ग्रांट ब्राडबर्न और एंड्रयू पुटिक ने राष्ट्रीय टीम और बोर्ड के साथ अपने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार इन तीनों से बातचीत कर उन्हें खुद ही इस्तीफा देने के लिए कहा गया था क्योंकि अगर पीसीबी उन्हें बर्खास्त करता तो अनुबंध के तहत छह महीने का वेतन देना पड़ता। गौरतलब है कि आईसीसी एकदिवसीय विश्वपक के बाद से ही टीम में आए बड़े बदलाव से विदेशी कोच नाराज चल रहे थे और उनके इस्तीफे के पीछे एक कारण ये भी था। पीसीबी ने विश्वकप के बाद कप्तान , चयनसमिति और कोच के साथ ही टीम डायरेक्टर में भी बदलाव किया था। भारत में एकदिवसीय विश्व कप के बाद पोर्टफोलियो में बदलाव करके कोचों को उन्हें राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में जिम्मेदारी सौंपी गई थी। इसी के तहत गेंदबाजी कोच मोर्नी मोर्कल को भी एनसीए भेज दिया गया था। इसके बाद मोर्कल ने भी अपना पद छोड़ दिया था।

जापान से हारकर भारतीय महिला हॉकी टीम ओलंपिक रेस से बाहर

रांची,

भारतीय महिला हॉकी टीम ने जोरदार आक्रमण किया, पूरा दबाव डाला और कई पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किए, लेकिन एकमात्र जरूरी चीज गोल नहीं कर सकी, क्योंकि जापान शुक्रवार को कई नाजुक क्षणों से बचकर महिला एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर में 1-0 से विजेता बना और इस साल होने वाले पेरिस ओलंपिक खेलों का टिकट हासिल कर लिया। जापानियों ने सारा दबाव सहते हुए भारतीयों के हर प्रयास को विफल करते हुए शुक्रवार को यहां मारंग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रो-टर्फ हॉकी स्टेडियम में तीसरा स्थान हासिल किया। यह भारत का दिन नहीं था क्योंकि वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने के बावजूद परिणाम के गलत अंत पर समाप्त हुए और लगातार तीसरे ओलंपिक खेलों में जगह बनाने में असफल रहे। भारत टोक्यो ओलंपिक खेलों में चौथे स्थान पर रहा था, लेकिन क्वालीफायर में चौथे स्थान पर रहने से उसे निराशा हुई। भारत ने कब्ज़ा जमाया, जापानियों के आठ की तुलना में 13 सर्कल प्रविष्टियाँ कीं, गोल पर 11 शॉट लगाए और अपने विरोधियों के चार की तुलना में नौ पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किए, लेकिन अंत में, छठे मिनट में काना उराटा का पेनल्टी कॉर्नर मैच विजयी गोल साबित हुआ जो जापान के लिए मैच जीतने और ओलम्पिक टिकट बुक करने के लिए पर्याप्त था।भारत ने पहले कुछ मिनटों में सर्कल में प्रवेश किया लेकिन गोल करने में सफल नहीं हो सका। अंत में, जापान को मैच का पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन शॉट को खतरनाक माना गया। नेहा और संगीता ने अच्छी दौड़ लगाई और बैकलाइन के पास ब्यूटी डंग डंग को पास दिया लेकिन वह डिफेंडर से बच नहीं सकीं। मियू हसेगावा को सर्कल के अंदर फाउल किया गया और जापान ने अपना दूसरा पीसी अर्जित किया। छठे मिनट में काना उराटा ने आगे बढ़कर सविता के पैरों के बीच से फ्लिक करके जापान को बढ़त दिला दी। भारतीयों ने कुछ अच्छे हमले किए जब दीपिका ने दाहिने फ्लैंक पर सर्कल के ठीक बाहर एक ओवरहेड पास के साथ बलजीत को सेट किया। फिर सोनिका ने सर्कल के अंदर एक गेंद भेजी और हालांकि दीपिका ने विक्षेपण का प्रयास किया, लेकिन गेंद क्रॉसबार के ठीक ऊपर चली गई। दूसरे छोर पर, जापान दो अच्छे मौकों के साथ बढ़त को दोगुना करने के करीब पहुंच गया था, जब काना उराता के पास को एक डिफेंडर ने डिफ्लेक्ट कर दिया और मियू हसेगावा ने गेंद को गोलमाउथ के पार भेज दिया, क्योंकि भारतीय डिफेंस झपकी ले रहा था।

मुंबई इंडियंस एमिरेट्स आईएलटी20 टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेगी : पूरन

मुंबई फ्रेंचाइजी का हिस्सा होने को शानदार अनुभव बताया

दुबई । मुंबई इंडियंस एमिरेट्स के कप्तान निकोलस पूरन ने कहा है कि उनकी टीम लीग आईएलटी20 क्रिकेट टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार है। छह टीमों के आईएलटी20 टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज डेविड वार्नर सहित कई दिग्गज खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। पूरन ने कहा कि मुंबई फ्रेंचाइजी का हिस्सा होना शानदार अनुभव है पर इससे बेहतर प्रदर्शन का दबाव भी पड़ता है। यह फ्रेंचाइजी करीब एक दशक से टी20 क्रिकेट से जुड़ी हुई है और हर कोई जानता है कि मुंबई सबसे अच्छी फ्रेंचाइजी में से एक है। उन्होंने कहा कि एक ग्रुप के तौर पर हम जहां तक संभव हो बेहतर प्रदर्शन कर जीत हासिल करने का प्रयास करेंगे। पूरन ने कहा कि मुंबई का प्रतिनिधित्व करना और खेलना बहुत दबाव भरा है पर यही इसका सकारात्मक पक्ष भी है। हम इस चुनौती को स्वीकार करते हैं। हम बतौर ग्रुप इस टूर्नामेंट के लिए तैयार हैं। हम उत्साहित हैं और हम सफल होना चाहते हैं हालांकि हम जानते हैं कि यह आसान नहीं रहेगा। इस टूर्नामेंट में मुंबई अमीरात के अलावा अबुधाबी नाइट राइडर्स , डेजर्ट वाइपर्स, दुबई कैपिटल्स , गल्फ जाइंट्स और शारजाह वारियर्स जैसी टीमें शामिल है। वॉर्नर, बोल्ट और ब्रावो के साथ इसमें सुनील नारायण, आंद्रे रसेल, कोरी एंडरसन, दासुन शनाका, रहमानुल्लाह गुरबाज, सैम बिलिंग्स, क्रिस वोक्स और मार्टिन गुप्टिल भी खेलेंगे।

कोरोना संक्रमण के कारण कॉनवे पाक के खिलाफ चौथे टी20 से बाहर हुए

क्राइस्टचर्च । न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे को कोरोना संक्रमण के कारण पाकिस्तान के खिलाफ चौथे टी20 से बाहर कर दिया गया है। कॉनवे को कोविड-19 की जांच में पॉजिटिव पाया गया था। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने अपने एक बयान में कहा, कोविड-19 के लिए जांच में पॉजिटिव पाये जाने के कारण कॉनवे को पाक के खिलाफ चौथे टी20 मैच से बाहर कर दिया गया है। वहीं उनकी जगह पर कैंटरबरी किंग्स के बल्लेबाज चाड बोवेस को टीम में शामिल किया गया है। इसके अलावा गेंदबाजी कोच आंद्रे एडम्स भी कोविड-19 जांच में पॉजिटिव पाये गये हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट प्रबंधन ने कहा, गेंदबाजी कोच आंद्रे एडम्स भी कोरोना संक्रमित पाए गए हैं और वह भी टीम होटल में ही रहेंगे। ऐसे में कैंटरबरी मेन्स डेवलपमेंट कोच ब्रेंडन डोनकर्स एडम्स की जगह गेंदबाजी कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे। इससे पहले कप्तान मिशेल सेंटनर भी कोरोना संक्रमित हुए थे पर वह दूसरे और तीसरे मैच से टीम से जुड़ गये थे।

टेनिसः जोकोविच का जलवा जारी, चौथे दौर में पहुंचे

मेलबर्न,

नोवाक जोकोविच ने तीसरे दौर में शानदार जीत के साथ 11वें ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब की अपनी खोज जारी रखी। शुक्रवार को टॉमस मार्टिन एटचेवेरी के खिलाफ मुकाबला करते हुए, दुनिया के नंबर 1 ने प्रतिष्ठित रॉड लेवर एरेना के अंदर 6-3, 6-3, 7-6(2) से जीत हासिल करते हुए एक मास्टरक्लास प्रदर्शन किया। जोकोविच के त्रुटिहीन प्रदर्शन ने उनकी हरफनमौला प्रतिभा को प्रदर्शित किया, जिसमें एचेवेरी के बैकहैंड पर रणनीतिक फोकस निर्णायक साबित हुआ। सर्बियाई उस्ताद ने एक भी ब्रेक प्वाइंट नहीं दिया, पहले दो सेटों में तीन बार एचेवेरी की रक्षा को तोड़ा। तीसरे सेट में अर्जेंटीना के खिलाड़ी ने जोरदार प्रयास किया, लेकिन जोकोविच ने अपना संयम बनाए रखा और अंततः क्लिनिकल टाई-ब्रेक में जीत पक्की कर ली। अपने मील के पत्थर 100वें ऑस्ट्रेलियन ओपन मैच पर विचार करते हुए, जोकोविच ने अपने प्रदर्शन पर संतुष्टि व्यक्त करते हुए कहा, मुझे लगता है कि यह एक शानदार मैच था। इस टूर्नामेंट के दौरान मेरा प्रदर्शन सबसे अच्छा रहा। इस जीत के साथ, जोकोविच ने ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपनी उल्लेखनीय लकीर को आगे बढ़ाया, और अब इस आयोजन में अपने पिछले 31 मैच जीते हैं। एटचेवेरी, जिन्होंने सप्ताह की शुरुआत में एंडी मरे और गाएल मोंफिल्स पर सीधे सेटों में जीत से प्रभावित किया था, एक और ग्रैंड स्लैम खिताब के लिए जोकोविच की खोज के लिए खतरा पैदा नहीं कर सके। जोकोविच ने सटीकता और शक्ति के साथ रैलियों को निर्देशित करते हुए रणनीतिक रूप से एटचेवेरी के बैकहैंड को निशाना बनाया। इस जीत के साथ जोकोविच चौथे दौर में पहुंच गये और उनका मुकाबला 20वीं वरीयता प्राप्त एड्रियन मन्नारिनो से होगा। फ्रांसीसी दिग्गज ने मेलबर्न में अपना उल्लेखनीय प्रदर्शन जारी रखते हुए अमेरिकी बेन शेल्टन के खिलाफ लगातार 11वीं पांच सेट की जीत हासिल की। शेल्टन के लचीलेपन और दूसरे और तीसरे सेट में मजबूत वापसी के बावजूद, मन्नारिनो ने अंततः 7-6(4), 1-6, 6-7(2), 6-3, 6-4 की लड़ाई में जीत हासिल की। सभी बाएं हाथ के खिलाड़ियों के साथ हुए मुकाबले में शेल्टन के शक्तिशाली खेल के मुकाबले मन्नारिनो की चालाकी और विविधता का प्रदर्शन हुआ।

अमेरिका ने एफआईएच क्वालीफायर में जापान को हराकर पेरिस ओलंपिक के लिए प्रवेश हासिल किया

रांची। अमेरिका ने एफआईएच महिला ओलंपिक हॉकी क्वालीफायर मुकाबले में जापान को हराकर पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लिया है। अमेरिका ने शुरुआत में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए जापान को 2-1 से हराया। इस मैच में जापान के अमिरू शिमाडा ने 38वें मिनट में एक गोल कर बढ़त हासिल कर ली पर अमेरिका ने एशले होफमैन ने 52वें मिनट और एबिगेल टैमर ने 55वें मिनट में किये गोल से मुकाबला अपने नाम कर लिया। इसी के साथ ही अमेरिका ने पेरिस ओलंपिक के लिए प्रवेश भी हासिल कर लिया है। इस टूर्नामेंट की शीर्ष तीन टीमों को ही पेरिस ओलंपिक का टिकट मिलना था। जापान ने इस मुकाबले में शुरू से ही आक्रामक रुख अपनाया जिसका उसे लाभ मिला। वहीं पहले क्वार्टर में अमेरिकी टीम ने कई हमले किये पर वह उन्हें गोल में बदल नहीं पायी। वहीं दूसरे क्वार्टर में भी जापान ने आक्रामक रुख अपनाया। उसे 17वें मिनट में दूसरा पेनल्टी कॉर्नर मिला। तीसरे क्वार्टर में दोनों टीमों ने गोल करने के कई प्रयास किये पर वह विफल रहीं। एक गोल से पीछे होने के बाद भी अमेरिकी टीम ने अंतिम क्वार्टर में दो मिनट के अंदर दो पेनल्टी कॉर्नरों पर गोल कर मुकाबला जीत लिया। इससे उसे पेरिस ओलंपिक के लिए प्रवेश भी मिल गया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जैव उर्वकों से बढ़ती है फसल की गुणवत्ता

फसल उत्पादन में उर्वरकों की भूमिका विशेष महत्वपूर्ण है। आधुनिक सघन खेती में रासायनिक उर्वरकों तथा अन्य कृषि रसायनों के दिन प्रतिदिन बढ़ते हुए असंतुलित प्रयोग से भूमि की संरचना तथा उर्वरता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। इस बात ने हमें यह सोचने के लिए विवश कर दिया है कि हम प्रकृति के इस महत्वपूर्ण संसाधन भूमि की उर्वरता संरचना तथा पर्यावरण को लम्बे समय तक कैसे बचाये रखें।

दूसरी ओर विश्व व्यापार संगठन में भारत का प्रवेश होने से हमारे आगे न केवल अधिक फसल उत्पादन करने की बल्कि उत्कृष्ट गुणवत्ता बनाए रखने की भी चुनौती है। जैव उर्वरकों को पूरक के रूप में प्रयोग करने से रासायनिक उर्वरकों की क्षमता बढ़ती है साथ-साथ फसलों की उत्पादकता एवं गुणवत्ता में भी वृद्धि होती है।

क्या हैं जैव उर्वरक?

पर्यावरण के संरक्षण, भूमि की संरचना तथा उर्वरता को बचाए रखते हुए अधिक उत्पादन के लिए कृषि वैज्ञानिकों ने ऐसे जीवाणुओं के उर्वरक तैयार किये हैं जो वायुमण्डल में उपलब्ध नत्रजन को पौधो को उपलब्ध कराते है तथा भूमि में पहले से मौजूद फास्फोरस आदि पोषक तत्वों को घुलनशील बनाकर पौधों को उपलब्ध कराते हैं।

यह जीवाणु प्राकृतिक हैं, रासायनिक नहीं इसलिए इनके प्रयोग से भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ती है और पर्यावरण पर विपरीत असर नहीं पड़ता। जैव उर्वरक रासायनिक उर्वरक का विकल्प नहीं है। इन्हें रासायनिक उर्वरकों के पूरक के रूप में प्रयोग करने से हम बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकते है।

कृषक भारती कोआपरेटिव लिमिटेड (कृभको) द्वारा उत्पादित राइजोबियम कल्चर, एजेटो वैक्टर, एसीटो वैक्टर और पी.एस.एम. उपयोगी जैव उर्वरक हैं।

राइजोबियम कल्चर

इसके जीवाणु पौधों की जड़ो में गांठ बनाकर रहते हैं तथा वायुमण्डल में उपस्थित नाइट्रोजन को शोषित कर भूमि में स्थिरीकरण कर पौधों को उपलब्ध कराते है। ये जैव उर्वरक दलहनी फसलों जैसे अरहर, मूंग, उर्द, चना,

मटर, मसूर, सोयाबीन आदि फसलों में उपयोग में लाये जाते है। प्रयोग के लिए यह ध्यान रखना चाहिये कि ये फसल विशेष के लिए अलग-अलग होते हैं और फसल का नाम पैकेट पर अंकित होता है।

एजेटो बैक्टर

यह जैव उर्वरक सभी अनाज गेहूं, जौ, जई ज्वार, बाजरा, मक्का, धान, सब्जी की फसलों, फूलों तथ अन्य फसलों जैसे गन्ना, कपास, तम्बाकू एवं पटसन आदि में प्रयोग में लाया जाता है। इसके जीवाणु पौधों की जड़ क्षेत्र में स्वतंत्र रूप से रहते हुए वायुमण्डल की नाइट्रोजन का स्थिरीकरण कर पौधो को उपलब्ध कराते हैं।

एसीटो बैक्टर

यह जैव उर्वरक गन्ने की फसल के लिए उपयुक्त पाया गया है। जो गन्ने की फसल के लिए नत्रजन वाले उर्वरकों की लगभग 25-30 प्रतिशत की बचत करने में सहायक होता है, इसके प्रयोग से गन्ने की फसल से प्राप्त होने वाली चीनी के परते में 1-2 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है।

पी.एस.एम.

भारत की 80 से 90 प्रतिशत भूमि में फास्फोरस की कमी पाई जाती है। भूमि में फास्फोरस तत्व की पूर्ति हेतु प्रयोग किये जाने वाले उर्वरकों की मात्रा का लगभग 35- 4 0 प्रतिशत भाग ही फसल उपयोग में ला पाती है, शेष भाग अघुलनशील अवस्था में भूमि के अन्दर बेकार पड़ा रहता है। जबकि फास्फेटिक उर्वरकों पर कृषकों की सबसे ज्यादा लागत आती है। पी.एस.एम. भूमि में अघुलनशील अवस्था में उपस्थित फास्फोरस तत्व को घुलनशील अवस्था में परिवर्तित कर पौधों को उपलब्ध कराता है। यह सभी प्रकार की फसलों में उपयोग किया जा सकता है।

बीज उपचार

इस विधि द्वारा राइजोबियम, एजोटो बैक्टर एवं पीएसएम जैव उर्वरकों का प्रयोग दलहन की फसलों, गेहूं, जौं, मक्का, बाजरा, राई, सरसों, तिल, सूरजमुखी आदि फसलों में किया जाता है। इस विधि में एक पैकेट का घोल लगभग 200-500 मिली. पानी में बनाकर 10 किलो बीज के ऊपर एक साथ छिड़क कर हाथ से अच्छी तरह मिलायें ताकि जैव उर्वरक की एक पतली परत बीज के सभी दानों पर बन जायें। उपचार के तुरन्त बाद छाया में सुखाकर बीज की बुवाई कर दें।

भूमि उपचार

इस विधि द्वारा एजेटो बैक्टर, एसीटो बैक्टर एवं पीएसएम जैव उर्वरकों का प्रयोग सभी खाद्यान्नों की फसलों, गन्ना, तिलहन फसलों, सब्जी फसलों, फूलों आदि में किया जा सकता है। इस विधि में जैव उर्वरकों की लगभग 2-5 कि.ग्रा. मात्रा को 100 कि.ग्रा. अच्छी प्रकार सड़ी गोबर की खाद या कम्पोस्ट में मिलाकर खेत की तैयारी के समय अन्तिम जुताई से पूर्व खेत में एक साथ छिड़क कर मिट्टी में मिला दें।

कन्द उपचार

आलू की फसल में एजोटो बैक्टर व पीएसएम का उपयोग करने के लिये प्रति हे.2 कि.ग्रा. जैव उर्वरकों को 20-25 लीटर पानी में घोल बनाकर उसमें बीज को 5 मिनट के लिये डुबोकर बुवाई करें। गन्ने की फसल में एसीटो बैक्टर के प्रयोग में लगभग 5 किलो जैव उर्वरक प्रति.हे. की आवश्कता पड़ती है।

जड़ उपचार विधि

यह विधि रोपाई वाली फसलों में प्रयोग की जाती है। इस विधि में 1-2 किग्रा. जैव उर्वरकों को 10-20 लीटर पानी में घोल बनाकर उसमें एक हेक्टेयर क्षेत्रफल के लिये रोपाई हेतु पौधों को रोपाई से पूर्व 10 मिनट के लिये जड़ो को डुबोकर रोपाई की जाती है।

जैव उर्वरकों के प्रयोग में सावधानियाँ

यह जीवित जीवाणुओं का मिश्रण है, इसलिए इन्हें तेज धूप, उच्च तापक्रम से सदैव बचाये रखें, अन्यथा उनके जीवाणु मरने शुरू हो जाते है। गर्मियों में भण्डारण के लिये मकान के कोने में रेत के अन्दर घड़े मे रख दें। रेत पर पानी छिड़कर कर भिगोते रहें। इस प्रकार अधिक तापक्रम के प्रभाव से जैव उर्वरकों को बचाया जा सकता है। पैकेट खरीदते समय उनकी निर्माण तिथि अवश्य देख लें और उनका उपयोग अन्तिम तिथि से पूर्व कर लें। पैकेट उपयोग के समय ही खोलें।

सदैव ध्यान रखें कि ये रासायनिक उर्वरकों के विकल्प नहीं है। फसलों की पोषक तत्वों की मांग की पूर्ति इनका रासायनिक एवं कार्बनिक खादों के साथ बेहतर समन्वय बनाकर करें। फसल के लिये निर्धारित जैव उर्वरक ही प्रयोग करें। बीज शोधन में यदि रसायन का प्रयोग करना हो तो इनकी प्रयोग की जानी वाली मात्रा को निर्धारित मात्रा से दोगुना कर देना चाहिये और पहले रसायनों को प्रयोग करें उसके उपरान्त ही जैव उर्वरकों का प्रयोग करें। रासायनिक खादों में मिलाकर इनका प्रयोग कभी नहीं करना चाहिये। जैव उर्वरकों को सड़ी नमी युक्त गोबर की खाद अथवा कम्पोस्ट खाद के साथ मिलाकर प्रयोग करने से ही बेहतर परिणाम प्राप्त होते है। कृभको द्वारा हजीरा संयंत्र (गुजरात) वाराणसी संयंत्र (उत्तर प्रदेश) लांचा संयंत्र (महाराष्ट) में कुल 650 मैट्रिक टन जैव उर्वरकों का उत्पादन किया जाता है। ये जैव उर्वरक कृषक भारती सेवा केन्द्रों एवं सहकारी समितियों से प्राप्त किये जा सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए कृभकों के नजदीकी प्रतिनिधि से भी सम्पर्क किया जा सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अमेरिका से जापान खरीदेगा 400 टॉमहॉक मिसाइल

टोक्यो। चीन और उत्तर कोरिया की तरफ से मिल रही चुनौतियों के बीच जापान ने अमेरिका से 4 सौ टॉमहॉक मिसाइल खरीदने का निर्णय लिया है। इसके लिए जापान ने गुरुवार को अमेरिका के साथ 400 लैंड बेस्ड टॉमहॉक क्रूज मिसाइलों को खरीदने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इसका मकसद चीन और उत्तर कोरिया को ध्यान में रखते हुए अपने डिफेंस को और मजबूत बनाने की ओर बड़ा कदम उठाया है। अमेरिकी विदेशी सैन्य बिक्री कार्यक्रम के माध्यम से हुए सौदे के अनुसार, जापान उपकरण खरीदने के लिए लगभग 1.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर का भुगतान करेगा। जापानी रक्षा मंत्रालय के मुताबिक जापान अगले साल अप्रैल से शुरू होने वाले वित्तीय वर्ष 2025 से तीन साल में भुगतान करेगा। जापान वित्तीय वर्ष 2026 और 2027 में नई टॉमहॉक ब्लॉक-5 मिसाइलें प्राप्त करने और उन्हें अपने समुद्री आत्मरक्षा बल एजिस विध्वंसक पर तैनात करने की योजना है।हालांकि, जापान ने अक्टूबर में, पिछले एडिशन, पुराने ब्लॉक-4 मॉडल की 200 तक खरीद करके एक साल पहले खरीदारी शुरू करने का फैसला किया था। जापान में अमेरिकी राजदूत रहम इमानुएल ने कहा कि अमेरिकी सेनाएं मार्च की शुरुआत में जापान के आत्मरक्षा बलों को टॉमहॉक्स का उपयोग करने के लिए प्रशिक्षण देना शुरू कर देंगी। टोक्यो में जापानी रक्षा मंत्री मिनोरू किहारा के साथ अधिग्रहण के संबंध में दस्तावेजों का आदान-प्रदान करते समय उन्होंने यह बयान दिया।रिपोर्ट के अनुसार, किहारा ने कहा कि जापानी सरकार ने टॉमहॉक्स की खरीद को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है, जिसकी मारक क्षमता लगभग 1,600 किलोमीटर है, यह बढ़ते गंभीर सुरक्षा माहौल के जवाब में लिया गया था।

अमेरिकी सिंगर ने फिर की पीएम मोदी की तारीफ, कहा-अमेरिका चाहता है कि फिर पीएम बनें मोदी

नई दिल्ली। अमेरिकी सिंगर मैरी मिलबेन ने एक बार फिर मोदी की तारीफ की है। उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा है कि भारत ही नहीं बल्कि अमेरिका में भी बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फिर पीएम बनना देखना चाहते हैं। उन्होंने भारत में होने वाले आम चुनाव 2024 में पीएम मोदी की जीत की भविष्यवाणी तक कर दी है। साथ ही उन्होंने भारत की नीतियों को भी सराहा है।

खास बात है कि बीते साल जून में पीएम मोदी के अमेरिका दौरे पर उन्होंने राष्ट्रगान जन गण मन भी गाया था। भारत में भी उनके प्रशंसक बड़ी संख्या में हैं।मिलबेन ने कहा, मैं यह निश्चित रूप से कह सकती हूं कि अमेरिका में प्रधानमंत्री के लिए काफी समर्थन है। मेरा मानना है कि कई लोग चाहते हैं कि वह दोबारा प्रधानमंत्री चुने जाएं, क्योंकि वह भारत के लिए सबसे अच्छे नेता हैं।उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि यह चुनावी मौसम अमेरिका, भारत और पूरी दुनिया के लिए सबसे जरूरी चुनावी मौसम में से एक होने वाला है। ऐसे में नागरिक होने के तौर पर हमारे ऊपर भी बड़ी जिम्मेदारी है। भारत में मेरे प्यारे परिवारों को प्रोत्साहित करती हूं कि इस बार चुनाव में सुनिश्चित करें कि आपका वोट और आवाज सुनी जाए।उन्होंने कहा, यह कोई राज नहीं है... पूरा भारत जानता है कि मैं प्रधानमंत्री की बड़ी समर्थक हूं और मानती हूं कि वह भारत के लिए सबसे अच्छे नेता हैं और भारत-अमेरिका रिश्तों के लिए अच्छे नेता हैं। यही समय है जब हम नागरिक होने के तौर पर मुखर रहे, अपनी बातें साझा करें, उन नीतियों को साझा करें जो हमारे देश और हमारे नेताओं के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा, हम सभी जानते हैं कि कैसे प्रधानमंत्री की नीतियों ने नक्शे पर भारत को असली आर्थिक खिलाड़ी के तौर पर स्थापित किया है।जहां तक इसके अमेरिका से संबंधित होने की बात है, वह सबसे अच्छे नेता हैं। कोई कॉम्पिटीशन है ही नहीं। मैं उम्मीद करती हूं कि उन्हें दोबारा चुना जाएगा, ताकि भारत और अमेरिका के रिश्ते आगे और भी मजबूत होते जाएं।हमारे पास हमारे देश में बदलाव लाने की शक्ति है।उन्होंने भारत की राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू का भी जिक्र किया। साथ ही कैबिनेट में महिला नेताओं को शामिल करने को लेकर भी पीएम की जमकर तारीफ की।

पाकिस्तान में निष्पक्ष मतदान कराने सात सदस्यीय समिति गठित

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवारुल हक काकड़ ने देश में आठ फरवरी को होने वाले आम चुनाव में निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए सात सदस्यीय समिति गठित की है। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि संचार, रेलवे तथा समुद्री मामलों के अंतरिम मंत्री शाहिद अशरफ तरार को समिति का प्रमुख बनाया गया है। समिति के अन्य सदस्यों में गृह सचिव, चार प्रांतीय मुख्य सचिव शामिल हैं। अधिसूचना के अनुसार समिति को चुनाव में सुरक्षा इंतजाम की निगरानी, चुनावों के सुचारू संचालन के लिए प्रशासनिक व्यवस्था और समन्वय से संबंधित मामलों की समीक्षा और समाधान करना जैसी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना है। काकड़ पर देश में निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव कराने की जिम्मेदारी है लेकिन उनपर सेना समर्थित राजनीतिक दलों के पक्ष में काम करने के लगातार आरोप लगते रहे हैं।

मालवाहक विमान में लगी आग, हुई आपातकालीन लैंडिंग

वाशिंगटन । एटलस एयर के मालवाहक विमान को अमेरिका के मियामी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी, क्योंकि प्रस्थान के तुरंत बाद इंजन में हवा में आग लग गई। एटलस एयर के हवाले से कहा गया कि चालक दल ने सभी मानक प्रक्रियाओं का पालन कर सुरक्षित रूप से एमआईए लौट आए। कार्गो कंपनी ने कहा कि वह गुरुवार देर रात हुई घटना का कारण निर्धारित करने के लिए निरीक्षण करेगी। एक्स पर असत्यापित वीडियो में उड़ान के दौरान विमान के बाएं पंख से आग की लपटें निकलती दिख रही हैं। इसमें शामिल विमान बोइंग था जो चार जनरल इलेक्ट्रिक जीईएनएक्स इंजनों द्वारा संचालित था। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि घटना के बाद, आपातकालीन वाहनों ने प्रतिक्रिया दी और किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। कुछ दिन पहले, कैलिफोर्निया जाने वाली जेटब्लू की उड़ान में आग लगने की सूचना के बाद न्यूयॉर्क के जॉन एफ कैनेडी हवाई अड्डे के रनवे से उड़ान रद्द करनी पड़ी थी।

स्वीडन, इटली और तुर्किये के अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष स्टेशन के लिए रवाना

तुर्किये (ईएमएस)। स्वीडन और इटली के अंतरिक्ष यात्री एक चार्टर्ड स्पेसएक्स उड़ान से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए रवाना हुए। फाल्कन रॉकेट ने तीनों व्यक्तियों को लेकर नासा के केनेडी अंतरिक्ष केंद्र से उड़ान भरी। इन तीनों के पास सेना में पायलट का अनुभव है और वे अपने-अपने देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। उनके कैप्सूल के शनिवार को अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंचने की उम्मीद है। वे वहां दो सप्ताह का वक्त बिताएंगे। इस अभियान पर प्रत्येक देश का 5.5 करोड़ डॉलर या उससे अधिक का खर्च आया है। यह ह्यूस्टन की कंपनी एक्सियोम स्पेस की नासा और स्पेसएक्स के साथ ऐसी तीसरी यात्रा है। रूस दो दशक से अधिक समय से शुल्क लेकर लोगों को अंतरिक्ष स्टेशन पर ले जाता रहा है। नासा ने दो साल पहले इसकी शुरुआत की है। पूर्व लड़ाकू पायलट और तुर्किये एयरलाइन के कैप्टन अल्पर गेजेराव्सी अंतरिक्ष में जाने वाले अपने देश के पहले व्यक्ति हैं। साथ ही कैप्सूल में सवार अन्य लोगों में स्वीडन के पूर्व लड़ाकू पायलट मार्कस वान्डेट और इतालवी वायु सेना के कर्नल वाल्टर विलादेइ शामिल हैं। वे अपने साथ जिन प्रतीकात्मक वस्तुओं को ले जा रहे हैं उनमें स्वीडन का एक नोबेल पुरस्कार, इटली का फुसिली पास्ता और तुर्किये की खानाबदोश संस्कृति के प्रतीक शामिल हैं।

डेटा के भूखे है फेसबुक, इंस्टाग्राम

लंदन । फोन से डेटा लेने के मामले में फेसबुक और इंस्टाग्राम सबसे आक्रामक एप हैं। नई रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। साइबर सुरक्षा कंपनी सर्फशार्क ने 100 लोकप्रिय एप का विश्लेषण कर पाया कि फेसबुक और इंस्टाग्राम सबसे अधिक डेटा के भूखे हैं। शोधकर्ताओं ने कहा, चूंकि इंस्टाग्राम और फेसबुक मेटा प्लेटफॉर्म के उत्पाद हैं, इसलिए इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि ये दोनों एप एक ही तरह से डेटा एकत्र करते हैं।उन्होंने कहा, दोनों एप एप्पल द्वारा परिभाषित सभी 32 डेटा पॉइंट एकत्र करते हैं और ऐसा करने वाले केवल वहीं दो एप हैं।

स्विजरलैंड में सेंट मोरिटज से डेवोस आते समय ट्रेन से ली तस्वीर में चारों ओर बर्फ ही बर्फ नजर आयी।

उत्तर कोरिया ने पानी में परमाणु हमला करने वाले ड्रोन का परीक्षण किया

सियोल । उत्तर कोरिया ने बताया कि सेना ने इस सप्ताह दक्षिण कोरिया, अमेरिका और जापान के संयुक्त नौसैन्य अभ्यास के जवाब में पानी में परमाणु हमले करने वाले ड्रोन का परीक्षण किया है। उत्तर कोरिया ने अपने दुश्मन देशों पर क्षेत्र में तनाव बढ़ाने का आरोप भी लगाया है। यह कथित ड्रोन परीक्षण उस वक्त किया गया है, जब कुछ ही दिन पहले देश के नेता किम जोंग उन ने कहा था कि उनका देश द.कोरिया के साथ सुलह का प्रयास नहीं करेगा। साथ ही उन्होंने युद्ध में विभाजित देशों के बीच साझा राष्ट्र के विचार को खत्म करने के लिए उत्तर कोरिया के संविधान को फिर से लिखने का आह्वान किया। उत्तर कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने कहा, हमारी सेना की जल के भीतर परमाणु-आधारित जवाबी कार्रवाई को और अधिक मजबूत किया जा रहा है और इसकी जल के भीतर तथा समुद्री कार्रवाइयां अमेरिका और उसके सहयोगियों की नौसेनाओं के शत्रुतापूर्ण सैन्य युद्धाभ्यास को रोकना जारी रखेंगी।

आतंकवादियों पर इस्लामाबाद की निष्क्रियता, घरेलू दबाव ने ईरान को पाकिस्तान पर हमला करने के लिए किया मजबूर

तेहरान (एजेंसी)। पाकिस्तान और ईरान ने संकेत दिए हैं कि वे नहीं चाहते कि स्थिति और बिगड़े। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मुमताज ज़हरा बलूच ने ब्लूमबर्ग से कहा कि वे तनाव नहीं बढ़ाना चाहते। उन्होंने कहा कि हमें भी उनकी ओर से इसी तरह की भावनाएं मिलीं। इसलिए हम इसे आगे बढ़ा रहे हैं। दोनों मुस्लिम देशों ने एक-दूसरे के क्षेत्र में %उग्रवादी% ठिकानों पर बमबारी की, जिससे संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन को शांतिदूतों की भूमिका निभाने के लिए प्रेरित होना पड़ा। यहां उन अंतर्निहित कारणों पर एक नजर डाली गई है जिनके कारण संघर्ष शुरू हुआ।

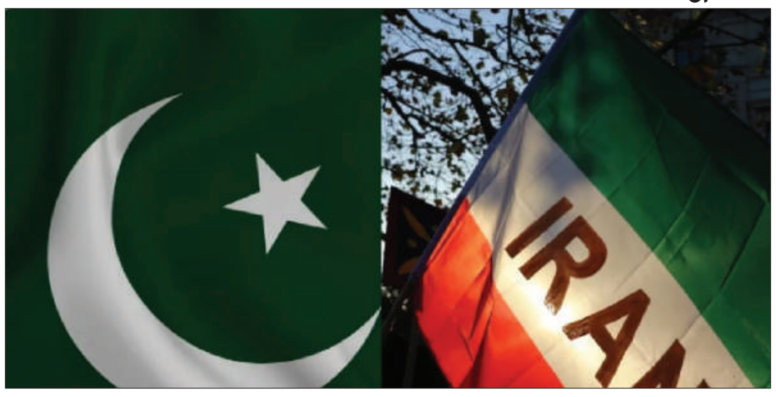

रॉयटर्स ने तीन स्रोतों का हवाला देते हुए बताया कि पाकिस्तान पर ईरानी हमला देश की आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने के प्रयासों से प्रेरित था, न कि उसकी मध्य पूर्व महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ाने के लिए। ईरान ने मंगलवार को सुन्नी आतंकवादी समूह जैश अल-अदल को निशाना बनाया। शिया बहुल देश का दावा है कि समूह का इस्लामिक स्टेट से संबंध है क्योंकि इसके कई आतंकवादी अब ख़त्म हो चुके, आईएसआईएस से जुड़े जुनदुल्लह का हिस्सा थे। यह भड़कना ईरान और पाकिस्तान के बीच अलगाववादी समूहों और दूरदराज के सीमावर्ती क्षेत्रों से सक्रिय इस्लामी आतंकवादियों को लेकर लंबे संघर्ष का परिणाम था। वे अक्सर सरकारी ठिकानों पर हमला करते हैं और दोनों देश एक-दूसरे पर रक्तपात में शामिल होने का आरोप लगाते हैं। यूरेशिया ग्रुप के एक विश्लेषक ग्रेगरी ब्रू ने रॉयटर्स को बताया कि ईरान के हमले आतंकवादियों द्वारा की जाने वाली घरेलू हिंसा पर उसकी चिंताओं के कारण शुरू हुए थे। इस्लामिक स्टेट द्वारा ईरान में 3 जनवरी को किए गए हमले के कुछ दिनों बाद यह भड़क उठी है। उन्होंने कहा कि ईरानी नेतृत्व कुछ करने के घरेलू दबाव का जवाब दे रहा है। ईरान ने कहा कि वह अपने लोगों की सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता को लाल रेखा मानता है। इसने पाकिस्तान से यह भी कहा कि वह अपनी धरती पर हथियारबंद आतंकवादियों को ठिकाना बनाने से रोके।

मिस्र मालदीव, अंगोला और बेलारूस के अपने समकक्षों जयशंकर ने की मुलाकात

कंपाला (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को मिस्र मालदीव, अंगोला और बेलारूस के अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें की, जिस दौरान उन्होंने उनके साथ आपसी हितों और बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग बढ़ाने के मुद्दों पर चर्चा की। जयशंकर गुटनिरपेक्ष आंदोलन (एनएएम) के दो-दिवसीय शिखर सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए कंपाला में हैं। उन्होंने मालदीव के विदेश मंत्री मूसा ज़मीर के साथ द्विपक्षीय संबंधों पर 'स्पष्ट बातचीत' की।

जयशंकर ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग के बारे में भी बात की। भारतीय नागरिकों के लिए वीजा-मुक्त व्यवस्था बढ़ाने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।' जयशंकर ने बेलारूस के विदेश मंत्री सर्गेई एलेनिक से भी मुलाकात की और विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग पर विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'बेलारूस के विदेश मंत्री सर्गेई एलेनिक के साथ एक सार्थक बैठक। विभिन्न क्षेत्रों में भारत-बेलारूस सहयोग पर विचारों का आदान-प्रदान किया। साथ ही यूक्रेन संघर्ष से संबंधित घटनाक्रम पर भी चर्चा की।'

इससे पहले उन्होंने अपनी यात्रा की कुछ तस्वीरें भी साझा कीं और लिखा, 'उन्नीसवें एनएएम शिखर सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए कंपाला पहुंचा हूं।' भारत ने एनएएम और जी-77 समूह के शिखर सम्मेलन की मेजबानी में युगांडा के सहयोग के लिए देश को मदद स्वरूप 10 बसें, पांच एम्बुलेंस, 10 ट्रैक्टर और कुछ ध्वज स्तंभ प्रदान किए हैं। जयशंकर की कंपाला यात्रा युगांडा और नाइजीरिया के उनके दो देशों के दौरे का हिस्सा है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने उनकी यात्रा से पहले नयी दिल्ली में एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि कंपाला के बाद विदेश मंत्री 21 जनवरी से नाइजीरिया की तीन दिवसीय यात्रा करेंगे।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि युगांडा के नेतृत्व में एनएएम शिखर सम्मेलन 120 से अधिक विकासशील देशों को ऐतिहासिक महत्व के अहम मंच पर एक साथ लाता है। शिखर सम्मेलन का विषय 'साझा वैश्विक समृद्धि के लिए गहन सहयोग' है और इससे पहले मंत्री और वरिष्ठ अधिकारियों के स्तर पर विचार-विमर्श किया जाएगा। विदेश राज्य मंत्री राजकुमार रंजन सिंह एनएएम विदेश मंत्रियों की बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

ब्रिटेन के 3 सांसदों ने कश्मीरी पंडितों को न्याय देने की मांग की

लंदन। ब्रिटेन के 3 सांसदों ने एक प्रस्ताव में भारत सरकार से कश्मीरी पंडितों को न्याय देने की मांग की है। ब्रिटेन सरकार से इस नरसंहार के पीड़ितों के पक्ष में अपनी प्रतिबद्धता जताने का आग्रह किया है। प्रस्ताव 19 जनवरी से पहले आया जिसे कश्मीरी पंडित 1990 में पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों की धमकियों और हत्याओं के कारण कश्मीर से पलायन की याद में निर्वासन दिवस के रूप में मनाते हैं। ब्रिटेन की संसद की वेबसाइट पर उपलब्ध अर्ली डे मोशन के अनुसार कंजर्वेटिव पार्टी के सांसद बॉब ब्लैकमैन, डेमोक्रेटिक यूनियनिस्ट पार्टी के नेता जिम शैनन और लेबर पार्टी के नेता वीरेंद्र शर्मा ने 15 जनवरी को 2023-24 सत्र के लिए भारत में जम्मू-कश्मीर के कश्मीरी पंडितों के नरसंहार की 34वीं बरसी विषय पर प्रस्ताव पेश किया है।

इजरायली सैनिक के बेटे का सिर काटकर हमास ने नीलाम कर दिया

- इजरायली सैनिक के पिता का दावा

तेल अवीव (एजेंसी)। एक शहीद इजरायली सैनिक के पिता ने दावा किया कि हमास के आतंकियों ने उनके 19 वर्षीय बेटे का गला काटकर हत्या की और सिर काटकर गाजा ले गए । फिर कटे हुए सिर को इजरायली सैनिक का सिर बताकर लाखों में नीलाम कर दिया। इजरायल के स्थानीय चैनल 14 को दिए इंटरव्यू में डेविड ताहर ने हमास आतंकियों को लेकर सनसनीखेज खुलासे किए हैं। वह बताते हैं कि उनका बेटा अदीर ताहर इजरायली सेना का सदस्य था। जब सात अक्टूबर को इजरायल पर हमास आतंकियों ने अचानक हमला किया तो कई सैकड़ों लोगों की जान ले ली। इस हमले के दौरान हमास के आतंकियों ने उनके 19 वर्षीय बेटे अदीर को भी मार डाला। इतना ही नहीं, उनके बेटे के शव के साथ दरिंदगी भी की गई। दुखी पिता ने कहा कि उनके बेटे का शव इज़राइल के राष्ट्रीय कब्रिस्तान माउंट हर्ज़ल में पहुंचने के बाद मिला, जब उन्होंने ताबूत खोलकर बेटे की पहचान की। बेटे का शव डीएनए टेस्ट के बाद पहचाना गया। शव पहचानने योग्य नहीं था। डेविड ने कहा, मैंने डीएनए परीक्षण और उसकी पैंट में मौजूद चीजों से उसकी पहचान की। वह बताते हैं कि उसके बाद दो महीनों तक मैं बेटे के सिर के लिए भटकता रहा। इंटरनेट पर मुझे कई डरावने वीडियो और तस्वीरें मिली, जिससे पता लगा कि आतंकी उनके बेटे का सिर गाजा ले गए हैं। बाद में, आधिकारिक सूचना मिली कि हमास आतंकियों ने उसके बेटे के सिर को एक सैनिक के सिर के रूप में प्रचारित करके 10,000 डॉलर (करीब आठ लाख रुपए) में बेचने की कोशिश की थी।

फिर भड़के ट्रम्प- जज की तरफ उठा दिया हाथ

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प तमाम विवादों से घिरे न्यायालय के चक्कर लगा रहे हैं,लेकिन उनका गुस्सा कम नहीं हो रहा है। एक विवाद सुलझता नहीं और दूसरा खड़ा हो जाता है। अब एक नया बखेड़ा हो गया है। ट्रम्प इस बार तो वह जज की टिप्पणियों पर ऐसे आग बबूला हुए कि उनकी तरफ हाथ ही उठा दिया। दरअसल,नागरिक धोखाधड़ी मामले में मैनहटन कोर्ट में सुनवाई हो रही थी। जब उनके वकील मामले की पैरवी कर रहे थे, तब ट्रम्प बार-बार पीछे से बोलते जा रहे थे। इससे मामले की सुनवाई कर रहे जज लुईस ए कपलान ने पूर्व राष्ट्रपति को टोका और चुप रहने को कहा।

क्रॉली ने फिर शिकायत की, जिसमें ट्रम्प द्वारा कहा जा रहा था कि यह एक जादू टोना है और यह वास्तव में एक धोखाधड़ी है। इस पर जज ने कड़ी चेतावनी जारी करते हुए कहा कि आपको अदालत से बाहर कर दिया जाएगा। जज की तरफ हाथ उठाने के थोड़ी देर बाद ट्रम्प ने कहा, मुझे अच्छा लगेगा। इस पर जज कपलान ने ट्रंप से कहा कि आप जाहिर तौर पर इन परिस्थितियों में खुद को नियंत्रित नहीं कर सकते।हालांकि, ट्रम्प को अंततः अदालत से बाहर नहीं निकाला गया, लेकिन बुधवार शाम को एक राजनीतिक रैली के लिए न्यू हैम्पशायर वापस जाने से पहले, उन्होंने मामले में जज पर हमला करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया। ट्रम्प ने जज पर हमला बोलते हुए कहा कि मुझे पता है कि बिल क्लिंटन द्वारा बहाल लोग ऐसा ही करेंगे। ट्रम्प ने जज कपलान को बुरा और नफरती जज करार दिया।

रिपोर्ट के मुताबिक, जब ट्रम्प फिर भी चुप नहीं हुए और बार-बार बीच में बोलते रहे तो जज ने उन्हें अदालत से बाहर करने की धमकी दे डाली। जज ने कहा कि अगर वह बार-बार अदालती सुनवाई में बाधा डालेंगे तो उनके अधिकार जब्त कर लिए जाएंगे। इस पर डोनाल्ड ट्रम्प जज पर भड़क गए और विरोध में जज की तरफ गुस्से में अपने हाथ उठा दिए। जज ने ट्रम्प के वकील को भी लताड़ लगाई। ट्रम्प के खिलाफ यौन उत्पीड़न केस में गवाह रहीं ई.जीन कैरोल द्वारा दायर एक मानहानि केस में पूर्व राष्ट्रपति लंबे समय से अदालत में पेश नहीं हो रहे थे। बुधवार को आखिरकार वह इस मामले में ट्रायल कोर्ट के सामने पेश हुए थे। कोर्ट में जब गवाह के रूप में, ई. जीन कैरोल ने जूरी को बताया कि कैसे ट्रम्प के कथित यौन उत्पीड़न के बारे में सार्वजनिक होने के बाद उनके बयानों ने उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाया और उन पर धमकी भरे संदेशों से हमला हुआ। पिछले साल एक सिविल जूरी ने कैरोल के आरोपों को विश्वसनीय पाया था। ट्रम्प पिछले साल कैरोल के मानहानि मुकदमे में पेश नहीं हुए थे, लेकिन इस सप्ताह अदालत कक्ष में उनकी उपस्थिति हुई। जूरी द्वारा माफ़ी दिए जाने के बाद, कैरोल के वकील शॉन क्रॉली ने ब्रेक से पहले ट्रम्प की टिप्पणी के बारे में शिकायत की। जब जज कपलान ब्रेक से लौटे तो उन्होंने ट्रम्प से कहा कि वह अपने वकीलों से बात करते समय अपनी आवाज़ कम रखें ताकि जूरी उनकी बात सुन सके।

चीन ने पाकिस्तान को थमाए घटिया रडार, हमला करने आए ईरानी ड्रोन को नहीं पकड़ पाए

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान ने चीन को अपना जिगरी दोस्त माना था। उसे लगता था कि चीन हर संकट में उसका साथ देगा। यही समझकर पाकिस्तान ने चीन से रडार खरीद लिए। उसे लगा कि इससे पाकिस्तान की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जा सकता है, लेकिन चीन ने अपने दोस्त पाकिस्तान को घटिया रडार थमा दिए।

चीन के घटिया रडार की पोल उस वक्त खुली जब ईरान ने रातों रात पाकिस्तान में एयरस्ट्राइक करके आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया। तब पता चला की चीन से लाए गए रडार ड्रोन को कैप्चर ही नहीं कर पाए। अब लुटा पिटा पाकिस्तान चीन पर घटिया रडार देने के आरोप लगा रहा है और कह रहा है कि पाकिस्तान में हुई एयर स्ट्राइक पर अमेरिका ने ईरान की निंदा की है लेकिन चीन के मुंह से एक भी शब्द नहीं निकला है।

दरअसल, ईरान ने मंगलवार को पाकिस्तान में स्थित आतंकी संगठनों पर ड्रोन अटैक किया था। इसके बाद अमेरिका समेत कई देशों ने ईरान के हमले की निंदा की लेकिन चीन ने इस मामले पर चुप्पी साध ली है। इतना ही नहीं चीन द्वारा पाकिस्तान को दिए गए इंटरसेप्ट रडार भी ईरान के ड्रोन को कैप्चर नहीं कर पाए। घटिया क्वालिटी के रडार सिस्टम से भी पाकिस्तान नाराज बताया जा रहा है। ऐसा पहली बार नहीं है कि चीन द्वारा पाकिस्तान को दिए गए रडार फेल हुए हैं। पहले भी कई मौकों पर चीन के रडार धोखा दे चुके हैं। साल 2022 में राजस्थान बॉर्डर पर गलती से पाकिस्तान में ब्रह्मोस मिसाइल फायर हुई थी। लेकिन चीन के रडार उसे भी इंटरसेप्ट करने में विफल रहे थे।

चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने प्रेस वार्ता में कहा, ''क्या आप कह रहे हैं पाकिस्तान ने ईरान पर हमले किए? मैं इससे अवगत नहीं हूं। उनसे यह पूछा गया था कि क्या चीन, ईरान के अंदर पाकिस्तान के हवाई हमलों से वाकिफ है। माओ ने कहा, ''लेकिन हम इस पर गौर कर रहे हैं और चीन का हमेशा से मानना रहा है कि देशों के बीच संबंधों को संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून के उद्देश्यों एवं सिद्धांतों के आधार पर संभाला जाना चाहिए।

माओ निंग ने कहा कि सभी देशों की संप्रभुता, स्वतंत्रता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान और सुरक्षा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा, ''ईरान और पाकिस्तान करीबी पड़ोसी और प्रभाव रखने वाले देश हैं। हमें उम्मीद है कि दोनों पक्ष संयम और शांति बरतेंगे तथा तनाव बढ़ाने से दूर रहेंगे। अगर जरूरत पड़ी तो हम स्थिति को सामान्य करने में रचनात्मक भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं।पाकिस्तान के एक पत्रकार द्वारा यह पूछे जाने पर कि क्या चीन, सुन्नी चरमपंथी समूह जैश-अल-अदल के एक शिविर पर ईरान के हवाई हमले को संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों एवं अंतराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन मानता है, माओ ने कहा, ''मैंने अभी-अभी चीन का रुख जाहिर किया है। उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि दोनों पक्ष अपने विवादों का हल परामर्श और वार्ता के जरिये करेंगे। चीन की मध्यस्थता की पेशकश एक कठिन राह हो सकती है क्योंकि सुन्नी बहुल देश पाकिस्तान और मुख्य रूप से शिया बहुल ईरान के बीच अच्छे संबंध नहीं हैं।

वहीं अब चीन ने बीते दो दिनों में पाकिस्तान और ईरान द्वारा एक-दूसरे के

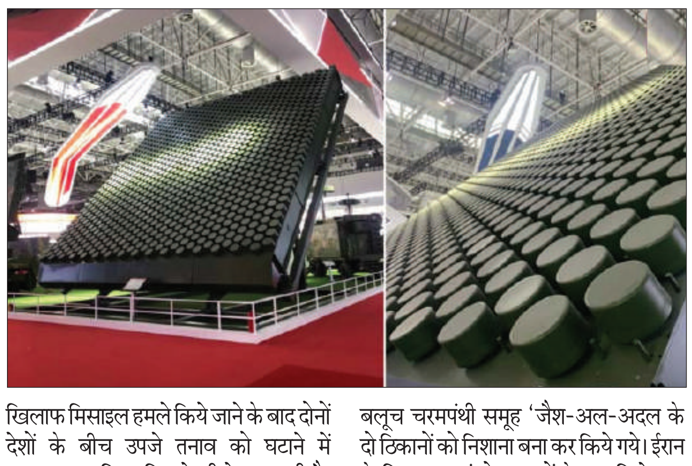

खिलाफ मिसाइल हमले किये जाने के बाद दोनों देशों के बीच उपजे तनाव को घटाने में रचनात्मक भूमिका निभाने की पेशकश की है। चीन ने दोनों देशों से ''संयम बरतने और टकराव टालने को कहा है। पाकिस्तान ने ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में, कथित आतंकी ठिकानों पर गुरूवार तड़के हमले किये, जिनमें नौ लोग मारे गए। ये हमले, पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में मंगलवार को सुन्नी बलूच चरमपंथी समूह 'जैश-अल-अदल के दो ठिकानों को निशाना बना कर किये गये। ईरान के मिसाइल एवं ड्रोन हमलों के बाद किये गए। इस घटनाक्रम ने चीन को असमंजस की स्थिति में डाल दिया है क्योंकि पाकिस्तान उसका करीबी मित्र है जबकि ईरान ने हाल के वर्षों में पश्चिम एशिया क्षेत्र में चीन को अपना प्रभाव बढ़ाने में मदद की है। चीन, ईरान से काफी मात्रा में तेल का भी आयात करता है।

पीएम आवास योजना की बुजुर्ग महिला लाभार्थी ने सांसद को बताया 30 हजार की घूस दी

-सांसद ने कहा फौरन मामले को दिखवाइए

बदायूं । यूपी के बदायूं में हुई विकसित भारत संकल्प यात्रा का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें बीजेपी सांसद धर्मेंद्र कश्यप एक महिला लाभार्थी को पीएम आवास योजना के तहत घर की चाबी सौंप रहे हैं। घर की चाबी देते हुए सांसद बुजुर्ग महिला से पूछते हैं कि किसी ने पैसे (घूस) नहीं लिए? इसपर महिला ने कह दिया, हां लिए हैं, 30 हजार रुपये। बता दें कि बुजुर्ग लाभार्थी महिला उसावां नगर पंचायत की शारदा देवी हैं, जिन्हें बीजेपी सांसद कश्यप पीएम आवास योजना की चाबी सौंप रहे थे और तमाम लाभार्थियों से उनका अनुभव और भावनाएं जान रहे थे। तभी शारदा देवी को चाबी सौंपकर पूछा कैसा लग रहा है, किसी ने पैसे तब नहीं लिए। इस सवाल के जवाब में शारदा देवी ने कहा कि हां, आवास दिलवाने के नाम पर 30 हजार रुपये दिए थे। शारदा ने ये बात माइक पर बोली थी। जिस पर पहले सभी लोग हंसने लगे लेकिन सांसद ने उन्हें तुरंत टोककर कहा कि ये बहुत गंभीर मामला है। इस दिखवाइए। बीजेपी के कार्यक्रम के दौरान मंच पर सांसद धर्मेंद्र कश्यप, बदायूं सांसद संघमित्रा मौर्य, जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता, पूर्व मंत्री सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता, दातागंज विधायक राजीव कुमार सिंह समेत कई नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस दौरान पीएम आवास योजना के लाभार्थियों को चाबी सौंपने का कार्यक्रम चला। इसी क्रम में बुजुर्ग महिला शारदा देवी को बुलाया गया।

सिसोदिया को फिर बड़ा झटका...न्यायिक हिरासत 5 फरवरी तक बढ़ी

नई दिल्ली । दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने कथित शराब घोटाला मामले में उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को फिर बड़ा झटका दिया है। उनकी न्यायिक हिरासत 5 फरवरी तक बढ़ा दी गई है। साथ ही कोर्ट ने सीबीआई से जांच की स्टेटस रिपोर्ट मांगी है। कोर्ट ने सिसोदिया के साथ-साथ अन्य आरोपियों की हिरासत भी 5 फरवरी तक बढ़ा दी है। शुक्रवार को उनकी न्यायिक हिरासत खत्म हुई थी, जिसके बाद उन्हें पेश किया गया था। कोर्ट ने मामले की सुनवाई कर सीबीआई से पूछा है कि मामले की जांच कहां तक पहुंची है। वहीं सुनवाई के दौरान कोर्ट ने जेल अधिकारियों को फटकार भी लगाई। दरअसल सिसोदिया को शुक्रवार को वर्चुअल तरीके से पेश किया गया था। इसकारण कोर्ट ने तिहाड़ जेल अधिकारियों को फटकार लगाकर पूछा कि सिसोदिया को व्यक्तिगत रूप से पेश क्यों नहीं किया गया। कोर्ट ने मामले में तिहाड़ जेल अधिकारियों से जवाब मांगा है और 5 फरवरी को सिसोदिया को कोर्ट में पेश फिजिकली पेश करने का आदेश दिया है। बता दें, मंगलवार को ही सिसोदियो एलएनजेपी अस्पताल में भर्ती हुए थे। उन्हें आर्थोपेडिक परेशानियों के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इससे पहले सिसोदिया को सुप्रीम कोर्ट से भी झटका लग चुका है, जिसमें उनकी जमानत याचिका और फिर समीक्षा याचिका को भी खारिज किया जा चुका है।

सपा और रालोद के बीच हुआ गठबंधन, सात सीटों पर लड़ेगा रालोद

लखनऊ । उप्र विधानसभा चुनाव-2022 में गठबंधन कर चुनाव लड़ने वाली समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के बीच अब लोकसभा चुनाव को लेकर भी सहमति बन गयी है। साथ ही आगामी लोकसभा चुनावों से पहले समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय लोकदल के बीच सीटों को लेकर तालमेल हो गया है। शुक्रवार को सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और आरएलडी अध्यक्ष जयंत चौधरी ने राजधानी में मुलाकात की है। सपा की तरफ से राष्ट्रीय लोकदल को यूपी में 7 सीटें दी गई हैं। सपा ने आरएलडी को मेरठ, अमरोहा, कैराना, बागपत, मथुरा, मुजफ्फरनगर और बिजनौर सीट दी हैं। माना जा रहा है कि इन सीटों पर आरएलडी के वोटों का समीकरण काफी आसान है और इन पर जीत दर्ज की जा सकती है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव और रालोद प्रमुख जयंत चौधरी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) के जरिये गठबंधन की घोषणा की। अखिलेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''राष्ट्रीय लोक दल और सपा के गठबंधन की सभी को बधाई। जीत के लिए सभी एकजुट हो जाएं, जुट जाएं।'' 'एक्स' पर सपा मुखिया अखिलेश यादव के ट्वीट को दोबारा पोस्ट करते हुए जयंत चौधरी ने 'एक्स' पर लिखा, ''राष्ट्रीय, संवैधानिक मूल्यों के रक्षा के लिए सदैव तत्पर, हमारे गठबंधन के सभी कार्यकर्ताओं से उम्मीद है, अपने क्षेत्र के विकास और खुशहाली के लिए कदम मिलाकर आगे बढ़ें।'' वहीं, यहां यह भी उल्लेखनीय है कि फिलहाल अभी तक इंडिया गठबंधन में सीटों के बंटवारे को लेकर सपा और कांग्रेस के बीच स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाई है। पिछले चुनावों में आरएलडी ने तीन सीटों पर चुनाव लड़ा था। जबकि इस बार सपा की तरफ से उसे सात सीटें दी गई हैं।

देश में अमीर और गरीब सभी बच्चों को समान शिक्षा मिले : केजरीवाल

नई दिल्ली । दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि देश के अंदर अमीर और गरीब सभी बच्चों को एक समान शिक्षा मिलनी चाहिए। केजरीवाल ने एक्सीलेंस इन एजुकेशन अवार्ड 2023 समारोह में 10वीं और 12वीं परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 218 बच्चों और स्कूलों को पुरस्कृत करने के दौरान यह बातें कहीं। उन्होंने कहा, देश के हर बच्चे को अगर अच्छी शिक्षा दे दी जाए, तब यह बच्चे ही देश को विकसित बना देने वाले हैं। दिल्ली में हमने सभी बच्चों को अच्छी शिक्षा देकर यह दिखा दिया है। देश के अंदर अमीर और गरीब सभी बच्चों को एक समान शिक्षा मिलनी चाहिए। हमारी सरकार ने दिल्ली के अंदर सभी बच्चों को एक जैसी शिक्षा उपलब्ध कराने की उपलब्धि हासिल कर लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली के अंदर आई शिक्षा क्रांति का श्रेय सरकारी स्कूलों के शिक्षकों को जाता है। दिल्ली सरकार के स्कूलों में 60-70 हजार शिक्षक काम करते हैं। हमारी सरकार ने सरकारी स्कूलों में अच्छा माहौल दिया। वर्तमान में दिल्ली के सरकारी स्कूलों के अंदर सर्वश्रेष्ठ सुविधाएं हैं। शिक्षकों को सम्मान मिलता है। इतना ही नहीं शिक्षकों को प्रशिक्षण के लिए आईआईएम और विदेशों में भेजा जाता है। इस मौके पर शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा, हम अपने स्कूलों में जो देख रहे हैं, वह सिर्फ आज की तस्वीर नहीं है, बल्कि आने वाले सालों में हमारे देश की क्या तस्वीर होने वाली है, वह दिखाती है। आज हमारे स्कूलों में पढ़ाई का जो माहौल है। बच्चों में जिस एक्सीलेंस को देख रहे है। शिक्षकों के टीचिंग-लर्निंग के तरीकों में जो बदलाव देख रहे हैं, इन सब पर बहुत गर्व होता है।

सोनोग्राफी की गलत रिपोर्ट देने पर जुर्माना 15 लाख रुपये का

नई दिल्ली। मेडिकल रिपोर्ट गलत देने वाले पर उपभोक्ता फोरम ने सख्ती दिखाते हुए लाखों का जुर्माना भरने को कहा है। दरअसल गर्भवती महिला की अल्ट्रा सोनोग्राफी टेस्ट रिपोर्ट गलत देने को लेकर राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग ने डॉक्टर और अस्पताल पर साढ़े सात-साढ़े सात लाख यानी कुल 15 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। यह राशि पीड़ित महिला को मुआवजे के तौर पर देने को कहा गया है। जानकारी अनुसार राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग के एपी शाही की अध्यक्षता वाली पीठ का कहना है कि अल्ट्रा सोनोग्राफी इसलिए कराई जाती है, ताकि गर्भ में पल रहे शिशु के शारीरिक विकास में विकार संबंधी जानकारी से अवगत हुआ जा सके। ऐसे में डॉक्टर व संबंधित अस्पताल की रिपोर्ट में बच्चे के लिंब को नार्मल बताना, जबकि ऐसा नहीं था। पीठ ने माना कि सोनोग्राफी टेस्ट करते समय घोर लापरवाही बरती गई थी, जिसकी वजह से बच्चा अपंग पैदा हुआ। उस बच्चे के घुटनों के नीचे से दोनों पैर नहीं थे और एक हाथ भी कुहनी के नीचे से गायब था। इस हालत में बच्चा जीवनभर स्पेशल नर्स केयर में रहेगा। इसकी वजह से उसके माता-पिता को भी जीवन भर मानसिक प्रताड़ना सहने को मजबूर होना पड़ा। इस लापरवाही को गंभीर मानते हुए पीठ ने कहा कि इसे नकारा नहीं जा सकता। अतः राष्ट्रीय आयोग ने इस मामले में राज्य उपभोक्ता आयोग द्वारा डॉक्टर व अस्पताल पर लगाए गए 75-75 हजार रुपए के जुर्माने को नाकाफी बताया और उसे कुल 15 लाख रुपये बतौर जर्माना भरने को कहा है।

दिल्ली के पीतमपुरा इलाके में घर में आग, 5 लोंगों की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली के पीतमपुरा इलाके में गुरुवार को एक घर में आग लगने से 3 महिलाओं और दो पुरुषों की मौत हो गई। अग्निशमन सेवा के निदेशक अतुल गर्ग के अनुसार रात 8.07 बजे जेडपी ब्लॉक से एक घर में आग लगने की सूचना मिली थी। आग 4 मंजिली इमारत की ऊपरी मंजिल और पहली मंजिल पर लगी थी। गर्ग ने बताया कि हमने 7 लोगों को घर से निकालकर अस्पताल पहुंचाया जिनमें से 4 लोगों के मरने की आशंका है। आग बुझ गई है।

सीएम हिमंत बिस्वा शरमा और राहुल गांधी के बीच जुबानी जंग, दोनों ने एक दूसरे को बताया भ्रष्ट

गुवाहाटी (एजेंसी)। सियासी जंग में एक दूसरे को भ्रष्ट बताना सबसे आसान है। असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने गांधी परिवार को देश का सबसे भ्रष्ट परिवार है बताया है। साथ ही कहा है कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा नहीं है वो मियां यात्रा है। राहुल वहीं जा रहे हैं जहां सबसे ज्यादा मुसलमान रह रहे हैं। इधर राहुल गांधी ने असम की हेमंत बिस्वा शरमा सरकार पर हमला बोलते कहा है कि देश की सबसे भ्रष्ट असम सरकार है।

मियां असम में बांग्ला भाषी मुसलमानों के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला शब्द है। इससे पहले गुरुवार को राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा नगालैंड से असम में प्रवेश कर गई। दिन की शुरुआत में यात्रा को औपचारिक रूप देते हुए, असम के शिवसागर जिले में ध्वज सौंपने का समारोह हुआ। नगालैंड कांग्रेस के अध्यक्ष ने असम कांग्रेस अध्यक्ष को ध्वज सौंपा। यात्रा के दौरान राज्य बदलते ही ध्वज सौंपने की रस्म चलती रहेगी। राहुल गांधी ने कहा, भाजपा-आरएसएस देश और हर राज्य में अन्याय कर रहे हैं। चाहे वह राजनीतिक, सामाजिक या आर्थिक अन्याय हो। मणिपुर नागरिकों के बीच खूनी संघर्ष नौ महीनों से झेल रहा है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अभी तक इस क्षेत्र का दौरा नहीं किया है, जैसे यह राज्य देश का हिस्सा ही न हो। नगालैंड में पीएम मोदी ने महत्वपूर्ण वादे किए थे। नौ साल पहले उन्होंने रूपरेखा समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। आज, नगालैंड में कई लोग यह जानने को उत्सुक हैं कि उस समझौते का क्या हुआ। उन्होंने कहा, असम भी इसी तरह हालात का सामना कर रहा है। असम में यकीनन, भारत की सबसे भ्रष्ट सरकार है। नगालैंड में हमें बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली है और मैं असम में भी ऐसी ही उम्मीद कर रहा हूं। राहुल गांधी ने कहा कि श्रीमंत शंकरदेव ने सभी को एक साथ लाने की कोशिश की थी और भारत जोड़ो न्याय यात्रा भी वही काम कर रही है।

पीएम मोदी की लोगों से अपील, 22 जनवरी को घरों में राम ज्योति जलाएं

सोलापुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र के सोलापुर में अमृत 2.0 योजना का उद्घाटन किया। अमृत 2.0 योजना के तहत देश के सभी वैधानिक कस्बों में सभी घरों में कार्यात्मक नल के माध्यम से जल आपूर्ति की सार्वभौमिक कवरेज और सीवरेज/सेप्टेज प्रबंधन की कवरेज प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। वहीं इस मौके पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने प्रधानमंत्री का अभिनंदन किया, राज्यपाल रमेश बैस और उप मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस और अजित पवार भी मौजूद रहे। सोलापुर में पीएम मोदी ने कहा कि मैं आप सभी से आग्रह करता हूं कि 22 जनवरी को अयोध्या में भगवान राम के भव्य मंदिर के उद्घाटन का जश्न मनाने के लिए अपने मोबाइल फोन की फ्लैश लाइट जलाएं और अपने घरों में दीप जलाएं। मैं भगवान राम से प्रार्थना करता हूं कि वह आप सभी को खुश रखें। हम सत्ता में आने के बाद पहले दिन से ही देश में सुशासन और रामराज लाने की कोशिश कर रहे हैं। हम गरीबों के कल्याण, श्रमिकों के सम्मान में विश्वास करते हैं; मैं आपसे कहना चाहता हूं कि हमेशा बड़े सपने देखें। ये मेरी गारंटी है, आपके सभी सपने पूरे होंगे।

खड़गे ने कहा, एक राष्ट्र, एक चुनाव विचार का हम विरोध करते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि हम 'एक राष्ट्र, एक चुनाव विचार का विरोध करते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा कि इस विचार को दरकिनार कर हाई पावर कमेटी को तत्काल भंग करे। कांग्रेस प्रमुख खड़गे ने इस बाबत 'वन नेशन वन इलेक्शन' के लिए उच्च स्तरीय समिति के सचिव को पत्र लिखा है। उन्होंने पत्र में कहा है कि कांग्रेस 'वन नेशन वन इलेक्शन' के विचार का कड़ा विरोध करती है।

दरअसल, खड़गे का यह पत्र उस वक्त में आया है, जब बुधवार को पूर्व राष्ट्रपति और 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर उच्च स्तरीय समिति के प्रमुख रामनाथ कोविंद ने एक साथ चुनाव कराने के मुद्दे पर पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्तों (सीईसी) और सेवानिवृत्त न्यायाधीशों के साथ विचार-विमर्श शुरू किया। उनकी बैठकें समिति द्वारा इस मुद्दे पर जनता की राय मांगने के कुछ दिनों बाद हुई हैं।

उच्च स्तरीय समिति प्रमुख पूर्व राष्ट्रपति कोविंद ने दिल्ली में मद्रास उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति मुनीश्वर नाथ भंडारी से मुलाकात की। बयान में कहा गया कि एक राष्ट्र एक चुनाव पर विचार-विमर्श जारी रख उच्चस्तरीय समिति के अध्यक्ष कोविंद ने दिल्ली उच्च न्यायालय की पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति गोरला रोहिणी और पूर्व सीईसी सुशील चंद्रा के साथ चर्चा की।

जब चंद्रा और न्यायमूर्ति रोहिणी ने कोविंद से मुलाकात की तब विधि सचिव नितेन चंद्रा भी मौजूद थे। चंद्रा उच्च स्तरीय समिति के सचिव भी हैं। बयान में कहा गया है कि परामर्श प्रक्रिया आने वाले दिनों में भी जारी रहेगी। सूत्रों ने कहा कि चंद्रा ने एक साथ चुनाव कराने के विचार का समर्थन कर कहा कि इससे शासन को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी क्योंकि सरकारों को नीतियां बनाने और लागू करने के लिए अधिक समय मिलेगा।

उन्होंने कहा कि एक साथ चुनाव कराने से जनता की असुविधा कम होगी, मानव संसाधनों के उपयोग में सुधार होगा और बार-बार चुनाव कराने पर होने वाले खर्च में कमी आएगी। समिति पहले ही इस मुद्दे पर जनता और राजनीतिक दलों से सुझाव मांग चुकी है और उनपर विचार कर चुकी है। सुप्रीम कोर्ट और उच्च न्यायालयों के पूर्व मुख्य न्यायाधीशों, संवैधानिक विशेषज्ञों और पूर्व सीईसी सहित प्रख्यात न्यायविदों से भी उनके विचार जानने के लिए संपर्क किया गया है। पिछले साल सितंबर 2023 में गठन के बाद से समिति की अब तक दो बैठकें हो चुकी हैं। समिति ने हाल में राजनीतिक दलों को पत्र लिखकर एक साथ चुनाव कराने के विचार पर उनकी राय मांगी थी और 'परस्पर सहमत तिथि' पर बातचीत के किए कहा था। बाद में समिति ने पार्टियों को एक अनुस्मारक भेजा था।

महुआ मोइत्रा को नहीं मिली राहत... खुद खाली किया सरकारी बंगला

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीएमसी नेता और पूर्व सांसद महुआ मोइत्रा ने नई दिल्ली में 9बी टेलीग्राफ लेन स्थित सरकारी बंगले को शुक्रवार सुबह 10 बजे तक खाली कर दिया। गुरुवार को उन्होंने दिल्ली हाईकोर्ट से उस समय झटका लगा, जब कोर्ट ने खाली करने के आदेश के खिलाफ दायर याचिका को खारिज किया था। शुक्रवार को बेदखली की कार्रवाई होनी थी, लेकिन उसके पहले ही उन्होंने उस बंगले को खाली कर दिया। महुआ के वकील शादान फरासत ने इसकी जानकारी दी है।

बता दें कि दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को टीएमसी नेता महुआ की सरकारी आवास खाली कराने की कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी थी। इसके पहले मोइत्रा को नई दिल्ली में सरकार द्वारा आवंटित आवास खाली करने के लिए नया नोटिस मिला था।

आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के तहत संपत्ति निदेशालय ने महुआ मोइत्रा को तीन-तीन नोटिस भेजा था। उन्हें अपना आधिकारिक बंगला खाली करने को कहा गया था। यह नोटिस उन्हें लोकसभा से निष्काषित किए जाने के बाद भेजा गया था। शहरी विकास मंत्रालय ने इस साल 11 जनवरी को महुआ को दूसरा नोटिस दिया था। टीएमसी नेता ने दिल्ली में उनके सरकारी आवास रद्द करने वाले संपत्ति निदेशालय द्वारा जारी नोटिस रद्द करने की मांग करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

चिकित्सा कारणों का हवाला देकर निष्कासित लोकसभा सांसद महुआ मोइत्रा ने दिल्ली हाईकोर्ट से आग्रह किया था कि उनके निष्कासन के बाद आवंटन रद्द होने पर अधिकारियों को उन्हें सरकारी बंगले से बेदखल करने से रोका जाए। टीएमसी नेता ने अनुरोध किया था कि फिलहाल उन्हें सरकारी आवास से बाहर न निकले क्योंकि वह अकेली महिला हैं। उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। मोइत्रा के वकील ने कहा कि उनकी सर्जरी हुई है। वह एक निजी अस्पताल में भर्ती हैं। डॉक्टरों ने उन्हें आराम की सलाह दी है।

गुजरात कांग्रेस को एक और झटका, सीजे चावडा ने विधानसभा की सदस्यसता दिया इस्तीफा

अहमदाबाद (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव से पहले गुजरात कांग्रेस को एक और बड़ा झटका लगा है। मेहसाणा की विजापुर क्षेत्र से विधायक सीजे चावडा ने विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है और उनके जल्द ही भाजपा जॉइन करने की चर्चा है7 2022 में विधानसभा चुनाव जीतने वाले कांग्रेस के 17 विधायकों में सीजे चावडा की गिनती दिग्गज नेताओं में होती थी। बतौर विपक्ष सीजे चावडा सरकार के खिलाफ मजबूती के साथ अपनी बात रखते थे। लेकिन अब सीजे चावडा का इस्तीफा कांग्रेस के लिए बड़ी चिंता का विषय है और वह भी ऐसे समय जब लोकसभा चुनाव के आडे गिनती के दिन रह गए हैं।

बता दें कि इससे पहले आणंद जिले की खंभात निर्वाचन क्षेत्र के विधायक चिराग पटेल भी विधानसभा की सदस्यता समेत कांग्रेस से इस्तीफा दे चुके हैं। कांग्रेस ही नहीं आम आदमी पार्टी (आप) के भी एक विधायक ने विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। इतना ही नहीं आप के एक अन्य विधायक के भी जल्द ही इस्तीफा देने की संभावना है। इसी सप्ताह तीन निर्दलीय विधायक बी इस्तीफा देकर भाजपा में शामिल होने वाले हैं। संभावना है कि अगले सप्ताह कांग्रेस और आप में इस्तीफों का दौर जारी रह सकता है। गुजरात भाजपा राज्य की सभी 26 सीटें और वह भी 5 लाख की लीड से जीतना चाहती है और इसके लिए उसने पूरी ताकत झोंक दी है। भाजपा लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को ज्यादा से ज्यादा कमजोर करना चाहती है।

भाजपा ने पिछले काफी समय से अपने नेताओं को कांग्रेस और आप के विधायकों को तोड़ने का टास्क दिया है। भाजपा ने पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष भरत बोधरा समेत 6 नेताओं को यह टास्क सौंपा है। लोकसभा चुनाव निकट हैं और गुजरात में दल बदल के मौसम की शुरुआत हो चुकी है। कांग्रेस और आप के एक के बाद एक विधायकों के इस्तीफे स्पष्ट हो जाता है कि भाजपा अपना लक्ष्य पाने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती है। आज सीजे चावड़ा के इस्तीफे से 182 सीटों गुजरात विधानसभा कांग्रेस विधायकों की संख्या घटकर 15 रह गई है। जबकि आप के 4 विधायक रह गए हैं7 2022 में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 156, कांग्रेस ने 17 और आप ने 5 सीटों पर जीत दर्ज की थी।

लाल सागर में व्यापारिक समूहों पर हमला, चितिंत भारत ने कहा, हम स्थिति पर बनाए हुए हैं नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। यमन के विद्रोही समूह हूती ने लाल सागर में व्यापारिक समूहों पर हमला किया है, जिससे तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। इस बीच यमन में राष्ट्रपति परिषद के उप नेता ने विदेशी मदद भी मांगी है। उन्होंने कहा कि सैन्य बलों के अभियान के खिलाफ वे जमीनी अभियान शुरू करना चाहते है। बता दें कि हूती ने 19 जनवरी की सुबह दावा किया है कि अदन की खाड़ी में एक अमेरिकी जहाज पर उनकी नौसेना ने हमला किया है।

दावे के बाद अमेरिका भी चुप नहीं रहा और हूती ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की है। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि जिस मिसाइल से हमला हुआ वहां अमेरिकी जहाज को छूने से चूक गई।

बता दें कि ये एक सप्ताह में दूसरा मौका है, जब अमेरिका द्वारा हूती एंटी शिप मिसाइलों के खिलाफ ताजा हमले शुरू होने के एक दिन बाद ही हूतियों ने उसके जहाज पर हमला किया है। भारत ने लाल सागर में उभरती सुरक्षा स्थिति को ''गंभीर चिंता का विषय बताकर कहा कि वह क्षेत्र में महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों के घटनाक्रम पर पैनी नजर रख रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल की यह टिप्पणी उस वक्त आई है, जब अदन की खाड़ी में मार्शल द्वीप के ध्वज वाले एक वाणिज्यिक जहाज पर ड्रोन हमला होने के बाद भारतीय नौसेना का मिसाइल विध्वंसक पोत आईएनएस विशाखापत्तनम' तुरंत मदद के लिए आगे आया, जहाज पर नौ भारतीयों सहित चालक दल के 22 सदस्य सवार थे। जायसवाल ने कहा, ''हम पूरी स्थिति को लेकर बेहद चिंतित हैं। यह न केवल भारत के लिए बल्कि दुनिया के लिए एक महत्वपूर्ण जलमार्ग है। वह लाल सागर की स्थिति पर एक सवाल का जवाब दे रहे थे। लाल सागर का रणनीतिक महत्व है क्योंकि वैश्विक व्यापार का लगभग 15 प्रतिशत बाब अल-मंडब जलडमरूमध्य के माध्यम से गुजरता है।

बिहार के बाद इस राज्य ने भी शुरू किया जाति सर्वेक्षण, 10 दिनों में 16 मिलियन से अधिक को किया जाएगा कवर

नई दिल्ली (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश सरकार ने शुक्रवार को लोगों का एक व्यापक जाति-आधारित डेटाबेस बनाने के उद्देश्य से 'जाति सर्वेक्षण' की 10-दिवसीय लंबी कवायद शुरू की, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि इसके द्वारा शुरू की गई विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लक्षित लाभार्थियों तक पहुंचे। जाति सर्वेक्षण की शुरुआत वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष और मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी द्वारा विजयवाड़ा में डॉ. बी आर अंबेडकर की 125 फुट ऊंची प्रतिमा के अनावरण के साथ हुई, जिसे दलित समुदाय पर प्रभाव डालने के लिए 'सामाजिक न्याय की प्रतिमा' नाम दिया गया है।

राज्य के पिछड़ा वर्ग कल्याण और सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री सीएच श्रीनिवास वेणुगोपाल कृष्णा ने गुरुवार शाम राजमुंदरी में संवाददाताओं से कहा कि बिहार के बाद व्यापक जाति सर्वेक्षण करने वाला आंध्र प्रदेश देश का दूसरा राज्य होगा। कृष्णा ने कहा कि इससे राज्य सरकार को सबसे पिछड़े वर्गों की पहचान करने में मदद मिलेगी ताकि कल्याणकारी योजनाओं को लक्षित लाभार्थियों तक पहुंचाया जा सके। मंत्री ने कहा कि यह सुनिश्चित करने की व्यवस्था की गई है कि तीन लाख से अधिक गांव और वार्ड सचिवालय कर्मचारियों और स्वयंसेवकों की मदद से घर-घर सर्वेक्षण के माध्यम से डेटा सटीक रूप से एकत्र किया जाए। राज्य के प्रमुख सचिव (योजना) एम गिरिजा शंकर ने कहा कि ये गांव और वार्ड सचिवालय कर्मचारी और स्वयंसेवक 19 जनवरी के बीच कुल मिलाकर 12.30 मिलियन परिवारों को कवर करेंगे, जिनमें ग्रामीण क्षेत्रों में 3.56 करोड़ आबादी और शहरी क्षेत्रों में लगभग 1.3 करोड़ आबादी वाले 4.44 मिलियन परिवार शामिल हैं।

मौसम विभाग ने बताए कारण.... जिसके चलाते उत्तर भारत में पड़ रही भीषण सर्दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत में साल 2024 में ठंड का रूप कुछ बदला-बदला दिख रहा है। इस बार पहाड़ पर बर्फ नहीं है, मैदानी इलाकों में बारिश नहीं है, लेकिन ठंड ने फिर भी आफत मचा रखी है। इस बार उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में भीषण शीतलहर का सितम है। यहां 29 दिसंबर से अधिकतम तापमान सामान्य से 5-8 डिग्री सेल्सियस नीचे गिर गया, जिससे कंपकंपा देने वाली ठंड पड़ी।

29 दिसंबर से लगातार सूरज गायब रहा और शीतलहर और कोहरा अपने शबाब पर रहे। 7-8 जनवरी के दौरान थोड़ी राहत महसूस की गई, जो कि पश्चिमी विक्षोभ से प्रभावित थी, लेकिन 8 जनवरी के बाद फिर ठंड की वहीं स्थिति लौट आई। इसके साथ ही 12 से 17 जनवरी के बीच उत्तर पश्चिम भारत के कई इलाकों में न्यूनतम तापमान 4 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया।

14 जनवरी को कोहरे की चादर अपने चरम पर पहुंच गई, जिससे उत्तर भारत के मैदानी इलाके अमृतसर से डिब्रूगढ़ और पूरे हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और बिहार में विजिबिलिटी जीरो हो गई। मौसम विभाग के अनुसार उत्तर पश्चिम भारत पर किसी भी सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ की कमी, प्रचलित अल-नीनो की स्थिति और एक मजबूत जेट स्ट्रीम शामिल है। आमतौर पर दिसंबर से जनवरी तक उत्तर पश्चिम भारत में 5-7 वेस्टर्न डिस्टर्बेंस होते हैं। जो जमा देने वाली ठंड को कम करते हैं। हालांकि, इस सर्दी में इसबार वेस्टर्न डिस्टर्बेंस अनुपस्थित रहे। इस बार केवल दो वेस्टर्न डिस्टर्बेंस दिखाई दिए। एक दिसंबर में और दूसरा जनवरी में जिनका प्रभाव गुजरात, उत्तरी महाराष्ट्र, पूर्वी राजस्थान और मध्य प्रदेश तक सीमित रहा। इसके अलावा पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में सामान्य से कम बारिश होने से कड़ाके की ठंड और बढ़ गई है। इस क्षेत्र में बारिश और बर्फबारी में भारी कमी देखी गई, जो औसत से लगभग 80 प्रतिशत कम थी, जिससे शीतलहर की तीव्रता बढ़ गई। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस में कमी को भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर के ऊपर प्रचलित अल-नीनो स्थितियों के लिए भी जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। यह घटना उत्तर भारत में कम शीतलहर के दिनों को दर्शाती है, यह प्रवृत्ति वर्तमान मौसम में भी ध्यान देने योग्य है।

इसके अलावा उत्तर भारत में समुद्र तल से 12 किमी ऊपर, लगभग 250-320 किमी प्रति घंटे की गति से चलने वाली तेज जेट स्ट्रीम हवाओं ने ठंड के मौसम को बढ़ा दिया है। मजबूत जेट स्ट्रीम पैटर्न जारी रहने की संभावना है, जिससे अगले कुछ दिनों तक उत्तर भारत में लगातार ठंड पड़ने का अनुमान है।

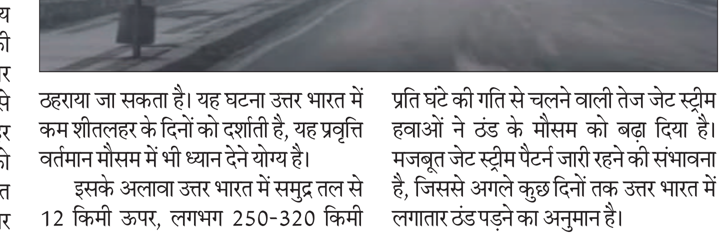

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा से पहले गली-गली भगवा लहराया, घरों और व्यापारिक स्थलों पर भगवा झंडे लहराए।

आवासीय सोसायटियों के साथ-साथ औद्योगिक इकाइयों और व्यावसायिक परिसरों में भी दैवीय लहर देखी जा रही है

अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा से पहले सूरत की सड़कों पर भगवा झंडे लहराए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

२२ जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव से पहले पूरे सूरत में राम लहर चल रही है। शहर में जय श्री राम जय श्री राम का जयघोष हर जगह हो रहा है, चाहे वह आवासिय सोसायटी हो या व्यावसायिक स्थान, जैसे मानो राम नाम की सुनामी आयी हो। दूसरी ओर अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा से पहले सूरत की सड़कों पर भगवा झंडे लहराए जा रहे हैं, घरों और व्यावसायिक स्थानों पर भगवा झंडे लहराए जा रहे हैं।

सूरत में कई आवासीय सोसायटियां अनायास ही भगवान श्री राम की तस्वीर और भगवा झंडे वाले बैनर लगाकर अपनी सोसायटियों में भगवा माहौल बना रही हैं। आवासीय सोसायटियों के साथ-साथ शहर की औद्योगिक इकाइयों और व्यावसायिक परिसरों में भी दैवीय लहर देखी जा रही है। शहर के कई व्यवसायिक परिसरों में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की कामना वाले भगवा झंडे और बैनर नजर आ रहे हैं। कई दुकानों पर भगवा झंडे वाले बैनर लगा दिए गए हैं।

दूसरी ओर २२ तारीख को प्राण प्रतिष्ठा वाले कई दुकानों में २२ फीसदी छूट की घोषणा की गयी है। इसलिए कुछ राम भक्त व्यापारियों ने प्राण प्रतिष्ठा के दिन अपनी लॉरी या दुकानों से मुफ्त चाय देने की घोषणा की है।

सूरत के हर कोने में इन दिनों जय श्री राम जय श्री राम की गूंज सुनाई दे रही है। जिस तरह सूरतियों ने अप्रत्यक्ष रूप से भगवान राम की मूर्ति के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में सहभागी हुए उसी तरह राम मय बन गए हैं और अपने तरीके से प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में भाग ले रहे हैं।

चैंबर की महिला विंग द्वारा 'राष्ट्रीय महिला कॉन्क्लेव-२०२४' का आयोजन किया

शारीरिक स्वास्थ्य के लिए रोजाना कम से कम ४० मिनट की सैर जरूरी: अभिनेत्री और स्वास्थ्य प्रशिक्षक सपना व्यास

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

समाज में लैंगिक असमानता को दूर करने की, महिलाओं को शिक्षित करने और सशक्तबनाने की जरूरत हैं: बॉलीवुड अभिनेत्री अपरा मेहता

दक्षिण गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की लेडीज विंग द्वारा शुक्रवार को प्लैटिनम हॉल, सरसाना, सूरत में 'उज्ज्वल भविष्य के लिए महिला सशक्तिकरण' विषय पर राष्ट्रीय महिला कॉन्क्लेव-२०२४ का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय टेलीविजन और बॉलीवुड अभिनेत्री अपरा मेहता ने सूरत की महिला उद्यमियों को महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया। इसके अलावा वक्ता के तौर पर अभिनेत्री और स्वास्थ्य प्रशिक्षक सपना व्यास, पहली ट्रांसजेंडर बिजनेस वुमन राजवी जान और सामाजिक कार्यकर्ता स्मिता देसाई ने महिला सशक्तिकरण पर अपने-अपने भाषण प्रस्तुत किये।

चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष रमेश वघासिया ने स्वागत भाषण में कहा कि भारत की कुल आबादी में महिलाएं ४८ प्रतिशत हैं, जबकि वैश्विक स्तर पर महिला कार्यबल भागीदारी अनुपात ४७ प्रतिशत है। भारत में महिला कार्यबल अनुपात उससे नीचे है और महिलाओं को सार्थक रोजगार उपलब्ध कराने में लगातार सुधार हो रहा है। वर्ष २०१७-१८ में यह अनुपात ३.३ फीसदी था, जो अब बढ़कर ३.८ फीसदी हो गया है। भारत में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्ट-अप इकोसिस्टम है और भारत में स्थापित कुल स्टार्ट-अप में से लगभग १८ प्रतिशत की स्थापना महिलाओं द्वारा की गई है। आज हमें संकल्प लेना चाहिए कि इस मंच के माध्यम से हम सभी अधिक से अधिक महिला नेतृत्व वाले उद्योगों के निर्माण में योगदान दें और इस दशक के अंत तक इसे ४५ प्रतिशत के वैश्विक औसत पर लाएँ।

भारतीय टेलीविजन और बॉलीवुड अभिनेत्री अपरा मेहता ने कहा कि देश के कई हिस्सों में महिला सशक्तिकरण की आवश्यकता अभी भी है। ऐसे कई राज्य हैं जहां महिलाएं आज भी पिछड़ी मानसिकता से पीड़ित हैं। समाज में स्त्री-पुरुष, नर-नारी के बीच असमानता को दूर करने की जरूरत है। महिलाओं को शिक्षित होने के साथ-साथ सशक्त होने की भी जरूरत है। वर्तमान में महिलाएं हर क्षेत्र में अग्रणी हैं। उन्होंने अपने जीवन की घटनाओं को याद करते हुए गुजरात को महिलाओं के लिए एक सुरक्षित राज्य बताया। उन्होंने गुजराती महिलाओं के जीवन के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी और महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित किया।

एक्टर और हेल्थ कोच सपना व्यास ने हेल्थ टिप्स देते हुए कहा कि लंबी एक्सपायरी डेट वाला खाना शरीर के लिए हानिकारक होता है, इसलिए हो सके तो घर पर बना खाना ही खाना चाहिए। प्रतिदिन कम से कम ४० मिनट अवश्य टहलें। यदि आहार में ली जाने वाली हर चीज का सेवन सीमा के अंदर किया जाए तो स्वास्थ्य संबंधी कोई भी समस्या नहीं आती है। उन्होंने युवाओं को शराब और नशे से दूर रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि जीवन में जो भी लक्ष्य हो, उसके लिए मानसिक तैयारी जरूरी है। उन्होंने आगे कहा कि शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखना भी जरूरी है। मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए समाज में जागरूकता पैदा करने की जरूरत है।

गुजरात की पहली ट्रांसजेंडर बिजनेसवुमन राजवी जान ने अपने जीवन के संघर्षों को याद करते हुए कहा कि जीवन में शिक्षा बहुत जरूरी है। शिक्षा के माध्यम से आप नये आयाम हासिल कर सकते हैं। जीवन में हर किसी की मदद करने की भावना और उसके लिए किए गए प्रयासों का फल ईश्वर द्वारा दिया जाएगा। ट्रांसजेंडर को सम्मान और सारे अधिकार तभी मिलेंगे जब समाज ट्रांसजेंडर को अपना अलग हिस्सा नहीं समझेगा। उन्होंने स्लक्क्क्क्तसमुदाय के बारे में जानकारी दी। उन्होंने आगे कहा कि जीवन को छोटा करने की कोशिश में जीवन की हर परिस्थिति का सामना करना चाहिए। जीवन में कुछ भी असंभव नहीं है।

सामाजिक कार्यकर्ता व सेवानिवृत्त शिक्षिका स्मिता देसाई ने रामायण में सीता व उर्मिला के त्याग व समर्पण का उदाहरण देकर नारी शक्ति का परिचय दिया। उन्होंने कहा कि समाज में अमीर-गरीब के बीच असमानता और बेटी से ज्यादा बेटे को पढ़ाने की मानसिकता को दूर करने की जरूरत है। व्यक्ति अपने कार्यों से समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत होता है।

सिविल डॉक्टर ने ७०० ग्राम की बच्ची का ७४ दिनों तक इलाज कर उसे नई जिंदगी दी

बच्ची के साथ नई सिविल अस्पताल के डॉक्टरो की टीम

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

१९ दिन वेंटिलेटर, ६ दिन सी-पैप और ५ दिन ऑक्सीजन पर इलाज: निजी अस्पताल में इलाज का खर्च १० लाख रूपए तक हो जाता

गोडादरा के एक निजी अस्पताल में महिला ने समय से पहले सिजेरियन डिलीवरी के जरिए मात्र ७०० ग्राम वजन की नवजात बच्ची को जन्म दिया गया। सिविल विभाग के शिशु विभाग के डॉक्टरों की टीम ने ७४ दिनों के गहन इलाज के बाद बच्ची को ठीक कर पुनर्जीवित किया। इतना ही नहीं, इस दौरान बच्ची का वजन बढ़कर १ किलो ४०० ग्राम हो गया है।

गोडादरा में रहने वाली २९ वर्षीय गर्भवती महिला रोशनी धनंजय शर्मा को ३१-१०-२०२३ को प्रसव पीड़ा हुई। इसलिए उन्हे उधना के एक निजी अस्पताल ले जाया गया। वहां रोशनी ने समय से पहले हुए सिजेरियन ऑपरेशन से एक नवजात बच्ची को जन्म दिया। उस वक्त बच्ची का वजन महज ७०० ग्राम था और उसकी हालत बेहद नाजुक थी। निजी अस्पताल के कर्मचारियों ने उसके परिवार को बताया कि बच्ची के इलाज पर ७ से ८ लाख रूपये का खर्च आएगा। हालांकि, इलाज के लिए पैसे नहीं होने के कारण लड़की के परिजन चिंतित हो गए और तुरंत इलाज के लिए नई सिविल अस्पताल के शिशु विभाग में आए। वहां डॉक्टर ने बच्ची को एनआईसीयू में भर्ती कर लिया। शिशु विभागाध्यक्ष डॉ. जिगिशा पाटोदिया, डॉ. उपेन्द्र चौधरी, डॉ. प्रफुल्ल बम्बरोलिया सहित रेजिडेंट डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ ने आवश्यक उपचार कर बच्ची के स्वास्थ्य में सुधार किया है। डॉ. प्रफुल्ल बांबरोलिया ने बताया कि जब बच्ची को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया तो उसका वजन मात्र ७०० ग्राम था। उनके फेफड़े कच्चे थे और उनके शरीर के सभी अंग पूरी तरह से विकसित नहीं थे। ऐसी स्थिति में केवल ३० प्रतिशत बच्चों के ही जीवित रहने की संभावना होती है। उनके फेफड़ों को खोलने के लिए इंजेक्शन दिए गए, संक्रमण दूर करने के लिए उन्हें जरूरी इलाज दिया गया, उनकी आंखों का विकास कम होने के कारण उन्हें जरूरी इंजेक्शन दिए गए। बच्ची की हालत नाजुक होने के कारण उसे १९ दिनों तक वेंटिलेटर, ६ दिनों तक सी-पेप और ५ दिनों तक ऑक्सीजन पर रखा गया और शिशु विभाग के डॉक्टरों की टीम द्वारा ७४ दिनों के उपचार के बाद उसके स्वास्थ्य में सुधार हुआ। इतना ही नहीं बल्कि बच्चे का वजन भी बढ़कर १ किलो ४०० ग्राम हो गया है। अब वे बच्ची को छुट्टी देने की तैयारी कर रहे हैं। निजी अस्पताल में इस तरह के इलाज का खर्च ७ से १० लाख रूपये है, लेकिन नए सिविल अस्पताल में इलाज मुफ्त किया गया।

सचीन जीआईडीसी के तीन लाख कामदारों को पीने के पानी की समस्या को लेकर ज्ञापन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नहर का मरम्मत में तत्काल तेजी लाकर जालापूर्ति करने सचिन इंडस्ट्रीयल सोसायटी द्वारा दिया ज्ञापन

सूरत। सचीन जीआईडीसी में करीबन तीन लाख कामदार विभिन्न ईकाईयों में काम कर रहे है। पिछले एक महिने से तलंगपुर माइनर नहर की मरम्मत का कार्य चल रहा है जिससे नहर में जलापूर्ति बाधित है। नहर का मरम्मत कार्य धीमी गति से चल रहा है। झील में भंडारण क्षमता कम हो जाने से कामदारों के लिए पीने का पानी की समस्या कड़ी हुई है। इस लिए सचिन इंडस्ट्रीयल सोसायटी की ओर से कार्यपालक इंजिनियर सूरत सिंचाई विभाग को ज्ञापन देकर तत्काल नहर में जलापूर्ति शुरू करने की मांग की गई।

सचिन इंडस्ट्रीयल सोसायटी के प्रमुख निलेश लींबासिया, महासचिव मयुर गोलवाला ने जानकारी देते हुए कहा कि सिंचाई विभाग द्वारा वर्षों से चली आ रही व्यवस्था के अनुसार तलंगपुर माइनर नहर का मरम्मत कार्य दि. २१/१२/२०२३ से १९/०१/२०२४ तक की अवधि के लिए लिया गया। ऐसे में एक माह तक नहर मरम्मत का काम शुरू करने से पहले सिंचाई विभाग द्वारा सचिन जीआईडीसी की झील को पानी से भर दिया गया। लेकिन झील की जल भंडारण क्षमता कम होने के कारण ऐसी स्थिति नहीं है कि कर्मचारियों के लिए पीने का पानी एक माह तक चल सके। सचिन इंडस्ट्रियल इस्टेट में करीब ३ लाख मजदूर काम कर रहे हैं और अब उन्हें अधिसूचित झील से मिलने वाला पीने का पानी खत्म हो गया है, पीने के पानी की कमी के कारण मजदूर उद्योगपतियों से काम छोड़ने की बात कर रहे हैं। जिससे श्रमिकों को जल्द से जल्द सिंचाई विभाग के माध्यम से पीने का पानी मिल सके। आपसे विनम्र अनुरोध है

राममंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की पूर्व संध्या में "पधारो म्हारा राम" विराट कवि सम्मेलन

डॉ हरिओम पंवार सहित अनेको कवि देंगे प्रस्तुति

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

अयोध्या में भगवान राम के मंदिर की भव्य प्राण प्रतिष्ठा की पूर्व संध्या पर सूरत के परवत-गोड़ादरा रोड़-परवत पाटिया विस्तार में टाइम्स स्कावयर के सामने स्थित प्रांगण में रविवार २१जनवरी २०२३ को शाम ६ बजे 'पधारो म्हारा राम' विराट कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया है। जानकारी देते हुए आयोजन समिति से जुड़े श्री कुंज पंसारी एवं दिनेश राजपुरोहित ने बताया कि इस